



प्रभावित लोगों का रेस्क्यू

**चित्रकूट में रामघाट का पुल बहा
एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर से
एयरलिफ्ट किए जा रहे फंसे लोग**

हरिभूमि न्यूज ►► सतना/चित्रकूट

विंध्य और बुंदेलखंड अंचल में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना जिलों में बाढ़ के गंभीर हालात बन गए हैं। चित्रकूट में बीते 18 घंटों से जारी बारिश के कारण मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर लगभग 30 फीट की ऊंचाई पर बह रही है। नदी के प्रचंड वेग में रामघाट का 300 मीटर लंबा पुल बह गया है। साल 2003 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब ऐसी भयंकर बाढ़ देखने को मिली है। नयागांव का मुख्य पुल पानी में डूब गया है और उसकी रैलिंग टूट चुकी है। प्राचीन मठ-मंदिरों और सैकड़ों घरों में पानी भर जाने के कारण लोगों को छतों का सहारा लेना पड़ रहा है। रामघाट, भरतघाट और सती अनुसुइया क्षेत्र पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं और करीब 400 दुकानें पानी में डूब गई हैं। बाढ़ का पानी नयागांव राजमहल, थानों और पेट्रोल पंपों में घुस गया है। छतों पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीमों के साथ एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टरों को तैनात किया गया है, जो प्रभावितों को एयरलिफ्ट ►► शेष पेज 6 पर

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रदेश के 5 जिलों में मूसलाधार बारिश से तबाही

सतना और चित्रकूट में बाढ़ का ‘तांडव’

ये हैं हेल्पलाइन नंबर : कमलेश मंदौरिया (तहसीलदार, चित्रकूट)- 7710179667, अंकित सोनी (सीएमओ)- 7987420141, कुपालपुर जौनल अधिकारी (सतना)- 9754129296, नजीराबाद जौनल अधिकारी (सतना)- 9179080455

मंदाकिनी नदी का रोढ़ रूप

नदी के किनारे बाढ़

►► मंदाकिनी नदी का जलस्तर 30 फीट पहुंचा

►► टोंस हाइडल प्रोजेक्ट से पानी छोड़े जाने को लेकर 36 गांवों में हाई अलर्ट

►► सतना-मानिकपुर रेलखंड पर 44 ट्रेनें प्रभावित

36 गांवों में हाई अलर्ट और ट्रेन यातायात प्रभावित

टोंस हाइडल प्रोजेक्ट से 2500 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़े जाने की संभावना को देखते हुए

सतना की रामपुर बघेलान और कोटर तहसील के 36 तटीय गांवों में अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। उधर, सतना के गोरगौ बांध के फूटने और रेलवे ट्रैक पर

पानी भरने से सतना-मानिकपुर रेलखंड पर 24 यात्री ट्रेनें और 20 मालगाड़ियां ►► शेष पेज 6 पर

दिल्ली का दौरा खत्म कर सीधे रीवा पहुंचे सीएम

समीक्षा की, आज बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेंगे सीएम



रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिल्ली का दौरा खत्म कर सीधे रीवा पहुंचे और चित्रकूट में अतिवृष्टि तथा मंदाकिनी नदी के उफान से उपजे बाढ़ के हालातों की समीक्षा की। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रभावित क्षेत्रों में जारी राहत एवं बचाव कार्यों की गहन समीक्षा की और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को जरूरी ►► शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

ओरछा में आज भाजपा कार्यसमिति की बैठक

भोपाल। निवाड़ी जिले में भगवान राजाराम की नगरी ओरछा में 14 साल बाद भाजपा प्रदेश



कार्यसमिति की बैठक होने जा रही है। यह दो दिवसीय बैठक 30 और 31 अगस्त को होगी। इसमें

करीब 350 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे ओरछा पहुंचे।

66 लाख से ज्यादा नशीली गोलियां जब्त

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) की मप्र यूनिट ने ‘ऑपरेशन वज्र 2.0’ के तहत चंडीगढ़-बढ़ी इंस्टेरेट मार्ग पर बड़ी कार्रवाई की है। पंजाब-हिमाचल कोरिडोर पर निगरानी रखी और उग्र नंबर के एक संदिग्ध ट्रक को रोक। ट्रक की तलाशी लेने पर 120 मास्टर कार्टन में रखी कुल 66,79,980 साइकोट्रॉपिक (नशीली) गोलियां बरामद हुईं।



विशेष प्रतिनिधि ►►मोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को बालाघाट जिले के दूरस्थ गांव बोंदारी पहुंचे। उन्होंने पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे इस बोंदारी गांव में ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठे, जनजातीय समाज की समस्याएं सुनीं और उन्हें मौके पर ही हल किया। डॉ. यादव ने इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और यहां के बैगा समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बालाघाट जिले के 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 225 करोड़ रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बालाघाट जिले के आदिवासी क्षेत्र में मृत बच्चों के परिवारों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। ग्राम कोरका व बोंदारी में उन्होंने एक सभा मंच पर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मृत बच्चों के संबंध में जानकारी ली और पोषण आहार की स्थिति पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पहली बार कोई मुख्यमंत्री बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे बोंदारी और कोरका गांवों में ग्रामवासियों ►►शेष पेज 6 पर

सरकार का जन विश्वास अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पहुंचे बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित गांव बोंदारी

225 करोड़ से बदलेगी बालाघाट के जिले के 100 गांवों की तस्वीर

पहली बार कोई मुख्यमंत्री बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे बोंदारी और कोरका गांवों में ग्रामवासियों से मिलने पहुंचे



मुख्यमंत्री ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठे

►► **मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता**

►► **जनजातीय समाज के साथ किया आत्मीय संवाद, समस्याओं का किया निवारण**

बैगा समाज के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर

डॉ. यादव ने ग्राम बोंदारी में बैगा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बैगा परिवारों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, सड़क, बिजली और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी लाभ अंतिम ►► शेष पेज 6 पर

सुरक्षा के साथ विकास और रोजगार का संकल्प : डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का संकल्प ‘सुरक्षा के साथ विकास और विकास के साथ रोजगार’ का है। नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त हुए क्षेत्रों में अब सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों ►► शेष पेज 6 पर ►► पढ़ें पेज 05 भी

सरकार का लक्ष्य अब केवल सड़क बनाने का ही नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अब केवल सड़क बनाने का ही नहीं, बल्कि सड़कों को बाजार से, गांव को रोजगार से और युवाओं को अवसरों से जोड़ने का है। बालाघाट जिले में एमएसएमई, ग्रामोद्योग तथा स्थानीय रोजगारपरक उद्योगों को और भी बढ़ावा देकर युवाओं के लिए अपने ही क्षेत्र में रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास रहेगा कि गांव में तैयार होने वाले उत्पादों का स्थानीय स्तर पर ही मूल्य संवर्धन हो और उन्हें देश के बड़े बाजारों तक ►► शेष पेज 6 पर



नेपाल बाढ़ में लापता पिता की आस में कुशीनगर पहुंचा 11 साल का मासूम

पापा, आप कहां हो?...गंडक की लहरों में पिता की तलाश

एजेसी ►► कुशीनगर

नेपाल में कुदरत के बरपाए कहर ने न जाने कितने हंसते-खेलते परिवारों को हमेशा के लिए उजाड़ दिया है। इस भयानक जलप्रलय का सबसे कारुणिक और दिल को झकझोर देने वाला रूप कुशीनगर में गंडक (नारायणी) नदी के किनारे देखने को मिल रहा है। जहां नदी की उफानती लहरों के बीच एक 11 साल का मासूम धर्म कुमार अपने लापता पिता की एक झलक पाने के लिए टकटकी लगाए बैठा है। बिहार के मोतिहारी ►► शेष पेज 6 पर

नेपाल से बहकर आ रहे शव

नेपाल से बहकर यहां शव पहुंच रहे हैं। प्रशासन नदी में संच ऑपरेशन चला रहा है। मिलने वाले हर शव के साथ इस मासूम का कलेजा मुंह को आ जाता है कि कहीं यह उसके पिता तो नहीं। ►► पढ़ें पेज 10 भी

दो अफसरों को अतिरिक्त प्रभार का आदेश

आईपीएस के तबादले: अंशुमान एडीजी इंटेलीजेंस, शेखर खेल संचालक बने

विशेष प्रतिनिधि ►►मोपाल

दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। दो अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया है। चंचल शेखर (1995 बैच) को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष सशस्त्र बल से हटाकर संचालक, खेल एवं युवा कल्याण बनाया गया। अंशुमान यादव (1998 बैच) को खेल विभाग से वापस पुलिस मुख्यालय भेजा गया। अंशुमान यादव अब अतिरिक्त पुलिस



चंचल शेखर और अंशुमान यादव

महानिदेशक (एडीजी), इंटेलीजेंस के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, साइबर का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। अनिल कुमार (1993 बैच) विशेष ►►शेष पेज 6 पर

उमरिया के घुघुटी वन परिक्षेत्र में लोगों को देख बाधिन हुई आक्रामक एनएच-78 पर वीडियो बना रही भीड़ की तरफ ‘झपटी’ बाधिन

हरिभूमि न्यूज ►► उमरिया

किसी के हताहत होने की खबर नहीं, क्षेत्र में चौकसी तेज, वीडियो वायरल

जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-78) पर सड़क पार कर रही एक बाधिन का वीडियो बनाने की होड़ में जुटे लोगों की जान आफत में पड़ गई। घुनघुटी और शहडोल के बीच ऋतुवन ढाबे के पास सड़क पार कर रही बाधिन को देखकर राहगीर रुक गए और मोबाइल से वीडियो



बनाने लगे। भीड़ और शोर से परेशान होकर बाधिन अचानक लोगों ►►शेष पेज 6 पर

गुणवत्ता मानकों पर पूरी तरह विफल एवरेस्ट और लालजी गोधू की हींग पर फसाई ने लगाया बैन



घटिया रसुलिंग के बाद बिकी रोकने का आदेश

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने गुणवत्ता मानकों पर खरे न उतरने के कारण एवरेस्ट और लालजी गोधू ब्रांड की कम्पाउंडेड हींग की बिक्री पर रोक लगा दी है। इन ब्रांड्स की हींग में तय सीमा (कम से कम 5%) के मुकाबले अल्कोहल सॉल्यूबल एक्सट्रैक्ट महज 0 से 3% ही था, यानी ►►शेष पेज 6 पर

12 सितंबर को इंदौर आएंगे राहुल गांधी ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में युवाओं से करेंगे सीधा संवाद



इंदौर में 50 हजार विद्यार्थियों को जुटाने की तैयारी में कांग्रेस

इंदौर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी 12 सितंबर को इंदौर के दौरे पर रहेंगे। यहां नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम प्रस्तावित है। वे यहां कांग्रेस द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी विद्यार्थी-संवाद अभियान ‘छात्रों की गूंज’ में शामिल होंगे और युवाओं को संबोधित करेंगे। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चिट्ठू चौकसे ने ►►शेष पेज 6 पर

न्यूयॉर्क स्थित इस्कॉन मंदिर में संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने दुनिया को दिया एकता का मंत्र

कॉरपोरेट जगत का उदाहरण देकर लोगों की जिम्मेदारियों की दी समझाइश

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान न्यूयॉर्क स्थित भक्ति सेंटर और ऐतिहासिक इस्कॉन मंदिर का दौरा किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया कई तरह के टकरावों, विविधताओं और विरोधाभासों से जूझ रही है। ऐसे माहौल में केवल ‘कृष्ण चेतना’ ही पूरी

यह संसार कोई बाजार नहीं बल्कि कृष्ण का ही रूप

मानवता को एक सूत्र में पिरो सकती है। डॉ. भागवत ने भगवद्गीता के मुख्य संदेश को रेखांकित करते हुए कहा कि



इस्कॉन मंदिर में डॉ. भागवत

यह संसार कोई बाजार नहीं बल्कि कृष्ण का ही रूप है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कितनी भी विविधताएं और

मतभेद क्यों न हों, मूल रूप से सब कुछ कृष्णमय ही है। यदि यह विचार हर व्यक्ति के हृदय तक पहुंच जाए, तो यह भौतिक जगत सभी के लिए एक स्वर्ग जैसी सुंदर जगह में बदल जाएगा। संघ प्रमुख ने स्पष्ट किया कि भगवद्गीता जीवन की चुनौतियों से भागना नहीं सिखाती, बल्कि अपने कर्तव्य पर दृढ़ रहकर उनका सामना करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कॉरपोरेट जगत का उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे किसी कंपनी ►►शेष पेज 6 पर

वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी इवेंट में बोले

मार्ग अलग हो सकते हैं लेकिन इंसानियत एक है

भारी विरोध और तमाम रुकावटों के बावजूद न्यूयॉर्क में आयोजित ‘वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी’ वैश्विक

कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने पूरी दुनिया को बंधुत्व और एकता का बड़ा संदेश

दिया। मंच को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदू धर्म इंसानियत की एकता में अटूट विश्वास रखता है। भागवत ने दो टूक शब्दों में कहा कि ►►शेष पेज 6 पर

मंगला एक्सप्रेस में पैट्री का खाना खाने से 30 बच्चे बीमार खंडवा स्टेशन पर छापा मार जब्त किया सड़ा-गला खाना

हरिभूमि न्यूज ►► खंडवा

रेलवे मजिस्ट्रेट की टीम को फाफूंद लगे खाद्य पदार्थ मिले, वैर्स पर जुर्माना

हजरत निजामुद्दीन से एनाकुलम जा रही मंगला एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12618) में शुक्रवार रात उस वक़्त हड़कंत मच गया, जब पैट्री कार का खाना खाने से 30 स्कूली बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों को उल्टी, दस्त और बुखार की



शिकायत हुई, जिनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही थी। ये सभी बच्चे केरल के त्रिचूर स्थित ►►शेष पेज 6 पर



खबर संक्षेप

माता वेलंकन्नी के सम्मान में नौ दिवसीय नोवेना प्रार्थना प्रारंभ
भोपाल। स्वास्थ्य की माता वेलंकन्नी के सम्मान में आयोजित नौ दिवसीय नोवेना प्रार्थना की तैयारियों को लेकर गिरजाघरों में पारंपरिक ध्वजारोहण के साथ आध्यात्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। शनिवार को ध्वजारोहण के साथ इस विशेष प्रार्थना एवं भक्ति आयोजन की औपचारिक शुरुआत हुई। इन्फेंट जीजस चर्च में भोपाल के आर्चीबिशप दुरईराज एस.वी.डी. ने फादर जीन बेनियो, अन्य पुरोहितों तथा बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ पवित्र मिस्सा अर्पित की। विधि-विधान के साथ गिरजाघर परिसर में वेलंकन्नी माता का ध्वज फहराया। पवित्र मिस्सा के दौरान आर्चीबिशप डॉ. दुरईराज ने माता मरियम की आध्यात्मिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ईसा मसीह की माता के रूप में मरियम हमें हमारे जीवन में ईश्वर की इच्छा को स्वीकार करने और विश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद को मिली मान्यता

भोपाल। राजधानी के सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद कॉलेज समेत देशभर के 254 आयुर्वेद कॉलेजों को नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) नई दिल्ली ने सत्र 2026-27 की मान्यता प्रदान की है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने कहा कि मग्न के 21 कॉलेजों की मान्यता में पं खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज में यूजी की 75, पीजी की 74 सीटें, सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद कॉलेज भोपाल में यूजी की 100 सीटें को सत्र 2026-27 की मान्यता प्रदान कर दी है। डॉ पाण्डेय ने बताया कि मग्न में आयुर्वेद के कुल 39 आयुर्वेद कॉलेज हैं जिनमें दो हजार सात सौ बीएएमएस यूजी सीटें हैं। फिलहाल 21 कॉलेजों को मान्यता मिली है जिनमें शासकीय के सात कॉलेजों और 16 निजी कॉलेजों को मान्यता मिली है। संभव है आगे मान्यता अगले चरण में मिल सकेगी। फिलहाल पांच शासकीय कॉलेजों की 370 यूजी सीटों को मान्यता मिली है।

आज भी खुले रहेंगे निगम दफ्तर, मिलेंगी 6 फीसदी की छूट

भोपाल। नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रॉपर्टी टैक्स में दी जा रही 6 प्रतिशत की छूट के अन्वय केवल 2 ही दिन शेष हैं। निगम प्रशासन ने करदाताओं की सुविधा को देखते हुए रविवार को अवकाश के दिन सभी जोन और वार्ड कार्यालय खुले रखने का निर्णय लिया है। करदाताओं विशेष छूट लेकर इसका फायदा ले सकते हैं। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि रविवार और सोमवार को अपने संपत्तिकर सहित अन्य करों व शुल्कों का भुगतान कर सम्पत्तिकर में 6 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाएं।



धूमधाम के साथ मनाया भुजरिया का महापर्व
एक-दूसरे को कजलियां देकर बांटी खुशियां

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी में भुजरियों का पर्व शनिवार को आपसी, प्रेम, सौहार्द और सद्भावना का के रूप में मनाया गया। इस मौके पर शहर में अनेक स्थानों से छोटे-छोटे समुदाय के रूप में भुजरिया चल समारोह निकला। घाटों पर भुजरिया के विसर्जन के बाद लोग एक दूसरे को भुजरिया देते नजर आए। घरों में बच्चों ने बड़ों का आशीर्वाद लिया। तो हम उग्र के लोगों ने एक दूसरे का भुजरिया का आदान प्रदान कर गले मिलकर भुजरिया की बधाई दी। वहीं भुजरिया पर नए और पुराने शहर से अनेक स्थानों महिलाएं सिर पर भुजरिया रखकर चल समारोह के रूप में निकली और मंगल गीत गाते हुए सरोवरों पर पहुंची। शहर के शीतलदास की बगिया, खटलापुरा, कालीघाट, शाहपुरा चांदबाड़ी मंदिर प्रांगण में बनी तलैया सहित अन्य स्थानों पर भुजरिया का विसर्जन किया गया।

- किन्नरों का जुलूस आज, रहेगा आकर्षण का केंद्र
- शीतलदास, खटलापुरा, कालीघाट सहित अन्य घाटों पर होगा विसर्जन



शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकलेगा चल समारोह

वहीं किन्नरों का चल समारोह बड़े धूमधाम से रविवार को निकाला जाएगा। जोकि मंगलवारा से दोपहर 12 बजे चल समारोह निकलेगा, जिसका जुमेराती गेट, लोहा बाजार, चौक होते हुए गुफा मंदिर पर समापन

होगा। वहीं दूसरा चल समारोह भी बुधवार से होते हुए भवानी चौक सोमवारा पर आकर मिल जाएगा। फिर दोनों क्षेत्र का चल समारोह आगे-पीछे चलते हुए गुफा मंदिर पर जाकर मिलेगा।

मिक्स कचरा उठाने से सफाई कर्मचारियों ने किया इंकार, बोले- पहले पैक कराओ
सफाई के दावों के बीच खुले में बेखौफ फेंका जा रहा रेस्टोरेंट का बचा भोजन



गंदगी समेटने पहुंची सफाई टीम।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

नगर निगम शहर को साफ-सुथरा रखने और खुले में कचरा नहीं फेंकने के दावे कर रहा है, लेकिन वार्ड 55 में इन दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। क्षेत्र में कुबेर डेयरी रेस्टोरेंट का बचा हुआ खाना खुले में फेंका जा रहा है। बारिश के कारण यह खाना सड़ने लगा है, जिससे आसपास दुर्गंध फैल रही है। खाने के लिए आवारा कुत्ते और गाय पहुंच रहे हैं। इससे गंदगी सड़क और आसपास के क्षेत्र में फैल रही है और रहवासी परेशान हैं।

खुले में पड़ा मिला बचा हुआ खाना लोगों के बताया कि रेस्टोरेट से निकलने वाला बचा हुआ खाना और अन्य कचरा निर्धारित तरीके से उठाने या निपटाने के बजाय खुले में डाल दिया जाता है। कई बार बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री यहां पड़ी रहती है। बारिश का पानी लगने से खाना कुछ ही समय में सड़ने लगता है। इसके बाद बदबू के साथ ही आवारा पशुओं का जमावड़ा लग जाता है। पशु खाने को इधर-उधर फैलाते हैं, जिससे आसपास का क्षेत्र गंदा हो जाता है।

- वार्ड 55 में इन दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही असलियत कर रही बयां
- बारिश में फैल रही दुर्गंध, आवारा पशुओं का जमावड़ा



पैकिंग के बिना कचरा ले जाने से चालक ने किया इंकार

निगम ट्रक चालक हसन अली ने कहा कि सड़ा हुआ खाना खुले में ट्रक में नहीं ले जाएंगे। उनका कहना था कि कचरा पैक नहीं है तो उसे इस तरह उठाकर ले जाना मुश्किल है। वहीं, दरोगा की ओर

से कचरा ले जाने के लिए दबाव बनाने की बात भी सामने आई। चालक ने कहा कि बिना पैकिंग के सड़ा हुआ खाना ट्रक में भरकर ले जाने में रास्ते में कचरा फेलने की आशंका रहती है।

पार्षद व दारोगा का तर्क

वार्ड 55 की पार्षद अर्चना परमार ने कहा कि हमें इस विषय में जानकारी नहीं है, वहीं दारोगा ने कहा कि उपर से हमें आदेश दिया गया है कि ऐसे ही कचरा लेकर जाए।

जल्द करवाएंगे सफाई

हम कचरा उठवाते हैं, लेकिन चार पांच दिन से कचरा नहीं उठवा पाए हैं। जिसकी वजह से बाहर गंदगी फैली है। जल्द इसकी सफाई करवाएंगे।

विनीत राजपूत, रेस्टोरेट मैनेजर

500 से लेकर नियमों के उल्लंघन के अनुसार स्पॉट फाइन



नगर निगम द्वारा गीला और सूखा कचरा अलग न करने या खुले में, सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकने पर आमतौर पर 500 से लेकर नियमों के उल्लंघन के अनुसार स्पॉट फाइन या तय किए गए शासी निकायों के निर्देशानुसार जुर्माना लगाया जाता है।

गीला-सूखा कचरा भी मिला दिया

मामला तब गंभीर हो गया जब वार्ड 55 के दरोगा शेखर मीणा की ओर से निगम के ट्रक में कचरा लादने के लिए कर्मचारियों से कहा गया। कर्मचारियों ने सड़ा हुआ खाना और प्लास्टिक उठाने से इंकार कर दिया। कर्मचारियों का कहना था कि गीला और सूखा कचरा एक साथ मिला हुआ है। सड़े हुए खाने को खुले में ले जाना भी संभव नहीं है।

15 साल की कानूनी लड़ाई के बाद दिवंगत के बच्चों को न्याय

जबलपुर। मग्न हाईकोर्ट ने 15 वर्ष लंबी कानूनी लड़ाई के बाद दिवंगत याचिकाकर्ता स्व. धैर्यमणि शर्मा के बच्चों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने भूमि विवाद में मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 170-बी के तहत की गई कार्टवर्ड को निरस्त करते हुए स्पष्ट किया कि दो अक्टूबर, 1959 से पहले हुए भूमि हस्तांतरण की जांच इस धारा के तहत नहीं की जा सकती। जस्टिस संजीव एस कलगांवकर की सिंगल बेंच ने याचिका स्वीकार करते हुए सिंगरौली जिले के चितरंगी के एसडीओ, कलेक्टर, रीवा के अतिरिक्त आयुक्त तथा राजस्व मंडल द्वारा पारित आदेशों को निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अजय राजयादव व अंजना श्रीवास्तव ने पक्ष रखा।

राजधानी में दिखी केरल की सांस्कृतिक झलक
नृत्य प्रस्तुति ने केरल विरासत को किया जीवंत

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी में केरल में पारंपरिक नृत्य और संस्कृति की अनूठी जीवंत झलक देखने को मिली। दरअसल श्री नारायण संदेश परिषद मग्न की ओर से जगतगुरु श्री नारायण गुरुदेवन की 172वीं जयंती महोत्सव मनाया जा रहा है। शनिवार को समापन अवसर पर सप्ताह व्यापी धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गुरु कीर्तन पारायणम का आयोजन किया गया। प्रख्यात वक्ता एम.वी. पुरुषोत्तम एवं पी.टी.



केरल की सांस्कृतिक झलक की प्रस्तुति देते कलाकार।

दिनेशन द्वारा आध्यात्मिक प्रवचन प्रस्तुत किए गए। श्री नारायण संदेश परिषद के अध्यक्ष पी. सुभाष ने बताया कि सप्ताहभर चले जयंती समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं उनके परिवार के सदस्यों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही और पूरे सप्ताह श्री नारायण गुरु के विचारों एवं आध्यात्मिक संदेश से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

एम्स डायरेक्टर डॉ. कोतवाल ने पत्रकारवार्ता के दौरान दी जानकारी

हर रोज छह से सात हजार मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे ओपीडी

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

एम्स भोपाल में मरीजों की बढ़ती संख्या के साथ इलाज और जांच की सुविधाओं का भी तेजी से विस्तार किया जा रहा है। यहां रोज छह से सात हजार मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं, जबकि करीब एक हजार मरीज प्रतिदिन अलग-अलग विभागों में भर्ती हो रहे हैं। मरीजों को आधुनिक और किफायती उपचार उपलब्ध कराने के लिए अब रोबोटिक सर्जरी, दूसरी एमआरआई और कैथ लैब, पीईटी-सीटी, गामा नाइफ और फेफड़ा प्रत्यारोपण जैसी सुविधाएं शुरू करने की तैयारी है। वहीं अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए चौबीस घंटे डिजिटल सेवाएं और मरीज मार्गदर्शन केंद्र भी विकसित किए जा रहे हैं। यह जानकारी शनिवार को एम्स भोपाल के डायरेक्टर लोफ्टिनेंट कर्नल डॉ नरेंद्र कोतवाल ने नरेंद्र कोतवाल ने पत्रकारवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में मरीजों के बढ़ते दबाव को देखते हुए संस्थान ने उपचार, जांच और मरीज सुविधाओं का विस्तार शुरू किया है।

- मरीजों के लिए मार्गदर्शन केन्द्र भी किए जा रहे विकसित



जानकारी देते डॉ. नरेंद्र कोतवाल।

तीन हृदय और 26 गुर्दा प्रत्यारोपण, अब फेफड़े की तैयारी

डॉ नरेंद्र कोतवाल ने बताया कि एम्स भोपाल में अब तक तीन हृदय और 26 गुर्दा प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं। अब फेफड़ा प्रत्यारोपण की अनुमति भी मिल चुकी है और सेवा जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

कैंसर मरीजों के लिए पीईटी-सीटी और दूसरा लिनैक

एम्स में कैंसर उपचार की क्षमता बढ़ाने के लिए दूसरा लिनैक लगाया जा रहा है। इससे रेडियोथेरेपी की क्षमता बढ़ेगी और मरीजों की प्रतीक्षा कम करने में मदद मिलेगी। वहीं 200 बिस्तरों वाले समर्पित कैंसर केंद्र का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। इसके अलावा पीईटी-सीटी सुविधा 30 नवंबर और गामा नाइफ सुविधा भी मार्च 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है।

रोबोट सर्जरी नवंबर से

डॉ नरेंद्र कोतवाल ने बताया कि एम्स में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा शुरू करने की तैयारी है। दा विंची रोबोटिक सर्जिकल प्रणाली स्थापित की जा रही है और जरूरी प्रशिक्षण व नियामकीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद नवंबर 2026 तक इसके शुरू होने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर कार्यक्रम

प्राचीन खेलों का साहसिक आयोजन राम मंदिर में संपन्न

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शनिवार को श्री हिंदू अखाड़ा महासंघ भोपाल द्वारा गुरुबख्श की तलैया स्थित श्री राम मंदिर प्रांगण में 11 बजे से राष्ट्रीय खेल दिवस पर श्री राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ओम मेहता एवं विनोद खंडेलवाल की मुख्य अतिथि में भोपाल के गुरुजनों द्वारा प्रशिक्षित युवक युवतियां बच्चों द्वारा साहसिक खेलों का प्रदर्शन कर धूम धाम से राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन संपन्न किया। इस दौरान अखाड़े के छोटे बच्चों, युवकों और युवतियों ने अपने हैरतअंगेज और साहसिक प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया। पारंपरिक कलाओं, आत्मरक्षा का प्रदर्शन किया। छोटी



साहसिक करतब दिखाता मासूम।

बच्चियों के प्रदर्शन से सबलोगों ने ताली बजाकर मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर भोपाल के 7 अखाड़े के छोटे बच्चे युवक युवतियों द्वारा साहसिक खेलों का प्रदर्शन कर समाज को संदेश प्रदान करने का संकल्प किया। सनातन धर्म को जीवित रखना है, तो पुरानी परंपरा को पुनः जीवित करना पड़ेगा।

गांधीनगर में दिखा बहनों का स्नेह-कुंम

लव-जिहाद के प्रति जागरुक करना हमारी भी जिम्मेदारी



गांधी नगर की महिलाओं से राखी बंधवाते विधायक शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गांधीनगर क्षेत्र में रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन किया गया। सागर पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में गांधीनगर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों बहनों ने विधायक रामेश्वर शर्मा को राखी बांधकर स्नेह व्यक्त किया। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नारी शक्ति को सम्मान और अधिकार देने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं।

लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की पहल महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इसी दिशा में सीएम डॉ. मोहन यादव भी मग्न में महिलाओं के कल्याण, सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। लाडली बहना योजना आज बहनों के सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बनकर सामने आई है। सरकार हर स्तर पर हमारी बहनों बेटियों के लिए कार्य कर रही है।

तमाम उपयोगी पौधों का किया रोपण

आईईएचई में किचन गार्डन पहल के तहत पौधरोपण



आईईएचई में पौधरोपण।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

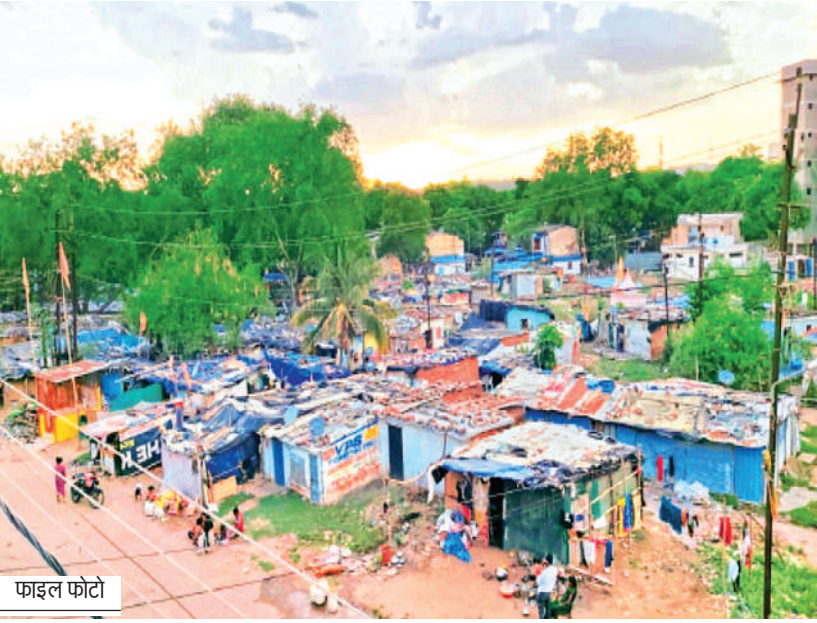
राजधानी स्थित उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) के खाद्य विज्ञान एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग व कृषि विभाग द्वारा हरित वसुंधरा क्लब के सहयोग से बालक छात्रावास परिसर में किचन गार्डन पहल के तहत शनिवार को पौधरोपण किया गया। इसका उद्देश्य छात्रावास परिसर में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को पोषण, स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों तथा सतत जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। पौधारोपण के दौरान संस्थान के अधिकारियों, विभागीय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न सब्जियों जैसे मीलकी, हरी मिर्च, मीठी नीम, बैंगन, टमाटर, बरवटी, पपीता एवं

उपयोगी पौधों का रोपण किया तथा पौधों की देखभाल, जैविक खाद के उपयोग और नियमित सिंचाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पौधारोपण में संस्थान के संचालक डॉ. प्रजेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को स्वयं सब्जियां और अन्न उगाकर उपभोग करने की उपयोगिता एवं खाद्य सुरक्षा का भी महत्व समझाया। कार्यक्रम में संस्थान के संचालक डॉ. अग्रवाल के नेतृत्व में विभागीय शिक्षक डॉ. अमित जैन, डॉ. विनोय कुमार सिन्हा, डॉ. एसके जैन, डॉ. अखिलेश शंभे, डॉ. सुरेंद्र सिंह, चंद्रकांता मोर्य, डॉ.नम्रता शर्मा, पूर्णिमा राय, डॉ. देवीप्रिया डे, अलीना अंसारी तथा छात्रावास के विद्यार्थी और कर्मचारियों ने सहभागिता की।

मुस्लिम त्यौहार कमेटी ने जताई आपत्ति

शहर मुफ्ती ने कहा, ईद मिलादुन्नबी पर लड़कियों से कराया डांस

भोपाल। राजधानी में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में रतलाम शहर के अखाड़े से आई लड़कियों की तलवारवाजी और करतब को लेकर शहर मुफ्ती अबुल कलाम ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि हाथों में नकली तलवार लेकर भोपाल में मुस्लिम लड़कियों के डांस के बारे में आयोजकों को सोचना चाहिए कि हम क्या कर रहे हैं और इसका समाज और धार्मिक मान्यताओं पर क्या असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लड़कियों के इस डांस से शहर में अल्लाह की तरफ से अजाब भी आ सकता है। इधर जुलूस के आयोजन मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष अहमद कलकाना है कि अखाड़े के करतब को डांस कहना ठीक नहीं है। जबकि मसाजिद कमेटी में ढोल बजने पर शहर मुफ्ती को बयान देना चाहिए। कॉमन सिविल कोड को लेकर भी आगे आना चाहिए।



फाइल फोटो

झुग्गीवासियों को दिए जाएंगे मकान, जमीन कराई जाएगी खाली

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

नगर निगम ने सरकार से मांगी शहरी गरीबों के लिए जमीन

राजधानी को स्लम फ्री बनाने की कवायद जारी है। जिसके तहत नगर निगम शहर के आसपास शहरी गरीबों के लिए मकान निर्माण करा रहा है। कोटरा सुल्तानाबाद में आठ हेक्टेयर सरकारी जमीन में से चार हेक्टेयर (करीब दस एकड़) जमीन मांगी गई है। जमीन का मुआयना करने के बाद टीटी नगर तहसीलदार करुणा दंडोतिया ने जमीन आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यहां पर शहरी क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को शिफ्ट किया जाएगा।

कोटरा सुल्तानाबाद की दस एकड़ जमीन पर गरीबों के लिए बनाए जाएंगे मकान

सरकारी जमीन पर तीन सौ से अधिक झुग्गी बस्तियां

राजधानी में करीब 15 सौ एकड़ सरकारी जमीन पर तीन सौ से अधिक झुग्गी बस्तियां हैं, जहां पर बिजली, सड़क और पानी की पाइपलाइन तक बिछाई गई है। जिला प्रशासन और नगर निगम अब इन झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को शहरी गरीब योजना के तहत मकान देने जा रहा है। जिससे इन परिवारों को झुग्गी बस्ती से हटया जा

सके। शुरुआत में नगर निगम ने कोटरा सुल्तानाबाद में दस एकड़ जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा का कहना है कि कोटरा सुल्तानाबाद में नगर निगम को चार हेक्टेयर जमीन आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। शासन से मंजूरी मिलने के बाद जमीन का पंजेशन दे दिया जाएगा।

दो हजार परिवारों को मिलेगा आशियाना

चार हेक्टेयर जमीन पर नगर निगम शहरी गरीब योजना के तहत मकान बनाएगा। जिससे इस परियोजना में करीब दो हजार परिवारों को मकान देने की योजना है। यहां पर सबसे पहले शहरी क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को शिफ्ट किया जाएगा। जिससे शहर को झुग्गीमुक्त बनाया जा सके।

झुग्गियां बनने के लिए ये हैं जिम्मेदार

झुग्गियां न बनें, इसकी प्रारंभिक जिम्मेदारी तो एसडीएम, तहसीलदार और पटवारी के साथ नगर निगम के अपर आयुक्त से लेकर वार्ड प्रभारी तक की होती है। क्योंकि, ज्यादातर जमीन राजस्व या फिर नगर निगम के पास ही है।

गैस, पेट्रोल-डीजल, खाद्य तेल व मसालों की बढ़ती कीमतों के चलते रेलवे ले सकता है निर्णय

रेल यात्रियों पर महंगाई की मार, 25 से 30 प्रतिशत तक महंगा हो सकता है रेलवे में खाना

- 90 से 100 रुपए थाली की कीमत बढ़कर 120 से 130 हो जाएगी
- कैटरिंग दरों में बढ़ोतरी को लेकर रेलवे बोर्ड को पत्र लिखा
- होटल संचालकों व पेट्रीकार संचालकों को भारी पड़ रहा भोजन बनाना

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

गैस सिलेंडर के साथ पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अब लोगों की जरूरतों पर दिखाई देने लगा है। महंगाई की मार झेल रहे लोगों पर आने वाले दिनों में ट्रेनों में मिलने वाले खान-पान की कीमतों का भार भी बढ़ सकता है। दरअसल गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल व खाद्य तेल, शक्कर, मसालों सहित अन्य सामग्रियों के दाम बढ़ने से ट्रेनों में खाने-पीने की सप्लाई करने वाले होटल संचालकों व पेट्रीकार संचालकों को भारी पड़ रहा है। इसके चलते लगातार खाने-पीने की सामग्रीय के दाम बढ़ने की मांग उठ रही है।



इसके चलते आईआरसीटीसी की ओर से करीब 25 से 30 फीसदी तक दाम बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

अभी ऐसे मिलता है ट्रेन में यात्रियों को खाना

ट्रेन के पेट्रीकार में भोजन मांगने पर विभिन्न तरह के एप हैं, जिनको स्मार्टफोन में डाउनलोड कर खाने का ऑर्डर किया जाता है। भोजन का ऑर्डर रेलवे की आईआरसीटीसी की ई-कैटरिंग पर ऑर्डर देकर बुक कराया जा सकता है। ट्रेन में सफर के दौरान यात्री 139 पर एसएमएस भेजकर अपने लिए खाना मंगवा सकता है। इसके अलावा कई लोग ट्रेन में सफर के दौरान होटल या रेस्टोरेंट से मनपसंद खाना मंगवाते हैं। इसके लिए आईआरसीटीसी वेबसाइट या 'फूड ऑन ट्रेक' एप का उपयोग करते हैं।

मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों में आ रही हैं शिकायतें

मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों को मिलने वाले खाने को लेकर हर माह शिकायतें तो मिलती ही हैं। इसमें अधिक दाम लेने से लेकर पेट्रीकार के कर्मचारी का व्यवहार सही नहीं होना शामिल है।

कच्चे माल, एलपीजी, परिवहन की बढ़ती लागत का दिया हवाला

रेलवे नई कैटरिंग पॉलिसी लागू करने पर विचार कर रहा है। इससे यात्रियों को पहले से अधिक शुद्ध, ताजा और गुणवत्तापरक खाना मिल सकेगा। यात्रियों की खाने-पीने को लेकर आने वाली शिकायतें पूरी तरह से दूर हो सकेंगी। इसको लेकर

आईआरसीटीसी की ओर से कैटरिंग दरों में बढ़ोतरी को लेकर रेलवे बोर्ड को पत्र लिखा है। इसमें कच्चे माल, एलपीजी, परिवहन और मैनुपावर की लागत में भारी उछाल का हवाला देकर दाम बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है।

चाय-काँफी की कीमत 20 से 25 रुपए होगी

अगर प्रस्ताव को हरी झंडी मिलती है, तो एक अनुमान के अनुसार वर्तमान में जो भोजन 90 से 100 रुपए में मिलता है, उसकी कीमत बढ़कर 120 से 130 हो जाएगी। 10 से 15 रुपए में मिलने वाली चाय-काँफी की दर बढ़कर 20 से 25 हो सकती है। जबकि नाश्ते की दरों में भी अनुपातिक बढ़ोतरी होगी। न्यूज के अनुसार आईआरसीटीसी के अधिकारियों ने इस प्रस्ताव को लेकर तर्क दिया है कि गुणवत्ता वाला भोजन चाहिए तो दाम तो देने होंगे।

इन वस्तुओं पर भी एडिगा असर

चाय, कॉफी, बेड, पकौड़ा, समोसा, केज पेट्टीज, बेड आमलेट, पुड़ी सब्जी, छोला भटूरा, छोला राइस, दाल-राइस, चावल कढ़ी, चावल के दाम पर असर होगा। 25 से 30 प्रतिशत जब दाम बढ़ेंगे, तब इनके दाम भी बढ़ जाएंगे।

रेलवे बोर्ड से मांगी इजाजत

आईआरसीटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कैटरिंग पॉलिसी में परिवर्तन करने के संबंध में नया प्रस्ताव तैयार किया गया। इसके लागू होने से ट्रेन और स्टेशन पर मिलने वाला खाना सहित अन्य सामग्री के दामों में 25 से 30 फीसदी तक बढ़ोतरी हो सकती है।

नेपाल आपदा में भोपाल के लापता लोगों की कलेक्टर मिश्रा ने मांगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

नेपाल और तिब्बत में अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की तादाद 626 हो गई है। जबकि 2 हजार से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। कई लोगों को बचाया

जानकारी मिलने के बाद लापता लोगों का लगाया जाएगा सुराग

जारी किया है। जिसमें लापता लोगों की जानकारी दर्ज की जा सकती है। अफसरों का कहना है कि लापता लोगों की जानकारी मिलने के बाद इन लोगों का सुराग लगाया जाएगा। जानकारी दर्ज करने के लिए भोपाल कलेक्टर की वेबसाइट या फेसबुक पेज को खोला जा सकता है।

भीड़ को देखते हुए भोपाल-रीवा के मध्य स्पेशल ट्रेन

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

रक्षाबंधन के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने के उद्देश्य से भोपाल-रीवा-भोपाल के लिए स्पेशल ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 02180 रीवा-भोपाल स्पेशल ट्रेन का संचालन रविवार 30 अगस्त को रीवा स्टेशन से शाम 6:35 बजे प्रस्थान कर रास्ते में सतना, मैहर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना एवं विदिशा आगमन करते हुए और दूसरे दिन भोपाल स्टेशन सुबह 4:30 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 02179 भोपाल-रीवा स्पेशल ट्रेन का संचालन सोमवार 31 अगस्त को भोपाल स्टेशन से रात 10:25 बजे प्रस्थान कर रास्ते में विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर एवं सतना आगमन करते हुए और दूसरे दिन रीवा स्टेशन सुबह 7:20 बजे पहुंचेगी। सौनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि रक्षाबंधन पर यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्रीभार को कम करने के उद्देश्य से भोपाल-रीवा के मध्य स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।

एमपी नगर जोन-2 में फुटपाथ पर रखे ड्रमों में पौधे नहीं, होटल और रेस्टोरेंट का कचरा हो रहा इकठ्ठा

पौधे लगाने के लिए रखे ड्रम बने कचरे का डिब्बा, निगम की अनदेखी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

शहर को हरा-भरा और साफ-सुथरा रखने के नगर निगम के दावे एमपी नगर जोन-2 में फेल होते नजर आ रहे हैं। यहां फुटपाथ पर पौधे लगाने के लिए रखे गए नीले रंग के ड्रम लंबे समय से खाली पड़े हैं। इन ड्रमों में न तो निगम की ओर से पौधे लगाए गए और न ही इनकी साफ-सफाई और सुरक्षा की जा रही है। स्थिति यह है कि अब इन ड्रमों का इस्तेमाल कचरा फेंकने के लिए किया जा रहा है।

एमपी नगर जोन-2 में प्रगत पेट्रोल पंप के पीछे वाले क्षेत्र में फुटपाथ पर कई ड्रम रखे हुए हैं। इन ड्रमों को पौधरोपण के लिए रखा गया था, लेकिन लंबे समय से ड्रमों पौधे नजर नहीं आ रहे हैं। देखरेख के अभाव में ड्रम अब कचरा फेंकने का स्थान बन गए हैं। आसपास चल रहे रेस्टोरेंट का कचरा हुआ खाना और अन्य कचरा भी इनमें डाला जा रहा है। लोगों



एमपी नगर जोन-2 में प्रगत पेट्रोल पंप के पीछे फुटपाथ पर रखे ड्रमों में पड़ा कचरा।

का कहना है कि निगम ने फुटपाथ को सुंदर बनाने के लिए ड्रम तो रख दिए, लेकिन इसके बाद इनकी सुध नहीं ली। पौधे नहीं होने से ड्रमों का उद्देश्य ही

खत्म हो गया है। वहीं, कचरा जमा होने से आसपास गंदगी और बदबू की स्थिति बन रही है। लोगों ने समस्या के निराकरण की मांग निगम से की है।

निगम की सफाई के दावों पर सवाल

नगर निगम शहर में स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाते का दावा करता है। इसके बावजूद सार्वजनिक स्थान पर पौधों के लिए रखे ड्रमों की यह स्थिति निगम की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। अगर ड्रमों में पौधे लगाने थे तो उनकी नियमित देखरेख भी की जानी चाहिए थी। अब इन्हें कचरा पेटों की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

हरिभूमि से एचओ बोला, सूचना पर तत्काल की कार्यवाई

जोन 2 के एचओ वासुदेव उदेंनिया बताया कि हरिभूमि ने इस संबंध में जानकारी दी तो तत्काल उस जगह पर एक घंटे बाद ही ड्रमों की सफाई कराकर कचरा न डालने की हिदायत दी गई है।



एम्स भोपाल वाट्सएप स्वास्थ्य सेवाएं शुरू, क्यूआर कोड को स्कैन कर मिलेगा सुविधा का लाभ

मरीजों और परिजनों को बार-बार एम्स आने या अलग-अलग ऑनलाइन पोर्टल तलाशने की जरूरत नहीं होगी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

मरीजों को अब अस्पताल की कई जरूरी सेवाओं के लिए बार-बार एम्स आने या ऑनलाइन पोर्टल तलाशने की जरूरत नहीं होगी। एम्स भोपाल ने एम्स भोपाल वाट्सएप स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की हैं।

इसके जरिए मरीज वाट्सएप से ही अस्पताल की कई सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। एम्स अधिकारियों ने बताया कि वाट्सएप का उद्देश्य उन मरीजों तक डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचाना है, जो वेबसाइट या स्वास्थ्य एप का इस्तेमाल नहीं कर पाते। चूंकि अधिकांश मरीजों या उनके परिवार के पास स्मार्टफोन और वाट्सएप उपलब्ध है, इसलिए वाट्सएप को सेवाओं से जोड़ने का निर्णय लिया गया।

एम्स में अब वाट्सएप पर मिलेंगे अपॉइंटमेंट से लेकर लैब रिपोर्ट, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र



क्यूआर कोड स्कैन कर जुड़ सकेंगे वाट्सएप सेवा से

एम्स की ओर से एक विशेष वाट्सएप नंबर और क्यूआर कोड सार्वजनिक किया जाएगा। अस्पताल के ओटीपीओर मरीजों की अधिक आवाजही वाले स्थानों पर भी यह कोड लगाए जाएंगे। मरीज मोबाइल कैमरे से क्यूआर कोड स्कैन कर वाट्सएप सेवा से जुड़ सकेंगे। पहली बार सेवा का इस्तेमाल करते समय मरीज को अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद ओटीपी के जरिए लॉगिन होगा। ओटीपी सत्यापन के बाद ही मरीज को सेवाओं तक पहुंच मिलेगी।

हिंदी और अंग्रेजी दोनों में मिलेगी सुविधा

वाट्सएप सेवा शुरू करने के बाद मरीज को हिंदी या अंग्रेजी भाषा चुनने का विकल्प मिलेगा। इसके बाद वाट्सएप चैट के जरिए अलग-अलग सेवाएं स्क्रीन पर दिखाई देंगी। मरीज जिस सेवा का उपयोग करना चाहता है, उसे चुनकर आगे की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

रिपोर्ट डॉक्टर को भी वाट्सएप से शेयर कर सकेंगे मरीज लैब रिपोर्ट पीडीएफ के रूप में वाट्सएप पर मिलने के बाद मरीज उसे खोलने के साथ अपने परिवार के सदस्य या डॉक्टर के साथ शेयर भी कर सकेंगे।

वाट्सएप पर मिलेगी आठ सेवाएं

- अपॉइंटमेंट
- मरीज की ओपीडी
- अपॉइंटमेंट की जानकारी
- आभा कार्ड
- जन्म प्रमाण-पत्र
- मृत्यु प्रमाण-पत्र
- लैब रिपोर्ट डाउनलोड
- डिस्चार्ज समरी

SRK UNIVERSITY, BHOPAL
Approved By AICTE, PCI, NDC, NCH, MP Paramedical, BCI, INC, NMC, NCISM, Member of AIU

Appointment in LAW College

For the post of

Professor / Associate Professor / Assistant Professor
(LLB / BALLB (Hons.) / LLM COURSES)

Preference Ph.D. Candidates

Qualification, Experience & Salary as per UGC & BCI Norms

Send your Biodata along with all the testimonials within 10 Days from the date of Publication

Interview on 15th Sep. 2026 Timing : 11:00 AM

Address : NH-12, Hoshangabad Road, Near Hotel The Mark, Misrod, Bhopal (M.P.) 462026
Email : srk.recruitment@gmail.com, Contact : 0755-4700983, 9131773536

औबेदुल्लागंज में
हर्षोल्लास से मनाया गया
रक्षाबंधन का त्यौहार

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

आज भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व शुक्रवार को नगर एवं आसपास हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में उत्सव का माहौल रहा। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया।

रक्षाबंधन के अवसर पर गुरुजनों ने अपने यजमानों की कलाई पर मंत्रोच्चार के साथ रक्षा सूत्र बांधा और उनके मंगलमय जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। कई स्थानों पर लोगों ने पेड़ों की भी रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण एवं सुरक्षा का संकल्प लिया। इस पहल के माध्यम से लोगों ने रक्षाबंधन पर्व के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।



विधायक सुरेंद्र पटवा को राखी बांधती बहन।

विधायक पटवा को बहनों
ने बांधा रक्षा सूत्र

विधायक सुरेंद्र पटवा ने भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह के पावन पर्व रक्षाबंधन को परिवार समेत बाईजी के स्नेहिल सानिध्य में हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया। विधायक पटवा को बहनों ने रक्षासूत्र बांधा। इस अवसर पर पटवा ने कहा कि राखी का यह पवित्र धागा प्रेम, विश्वास, स्नेह और जीवनभर एक-दूसरे के सुख-दुःख में साथ खड़े रहने के संकल्प का प्रतीक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि भाई-बहन का यह अटूट स्नेह सबैव यू ही बना रहे और हर परिवार में प्रेम, सुशियो एवं अपनत्व की मिठास बनी रहे। उन्होंने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।



भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र नंदवंशी ने बहन से राखी बंधवा कर आशीर्वाद लिया।



वचन लोधी को राखी बांधती बहन।

रक्षाबंधन पर भाजपा एवं
कांग्रेस नेताओं ने जनता
को दी शुभकामनाएं

रक्षाबंधन पर्व पर भाजपा एवं कांग्रेस नेताओं ने नगरवासियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर डॉ. भूपेंद्र नागर, नरेंद्र शर्मा, कन्हैया नंदवंशी, पंकज कोठारी, दीपू परमार, नरेश सेठी, मनोज चौरसिया, जेपी शर्मा, व्यापार संघ के अध्यक्ष जगदीश चंदानी, प्रदीप अरोरा, मनोज मेघानी, सोनू वासवाणी, श्याम मालवीय, रतन मेघानी, दीपेश अरोरा, माधव यादव, कांता पटेल, पुरुषोत्तम शर्मा, अमित राय, सोनू राय सहित जनप्रतिनिधियों ने नगरवासियों के सुख, समृद्धि एवं सुशहाली की कामना की। कांग्रेस की ओर से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, हरजीत सिंह मंगू, राजेश खटीक, परेश नागर, विनोद झरपावे एवं संजय सिंह चौहान ने भी रक्षाबंधन पर्व की नगरवासियों को शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व है। यह त्यौहार परिवार और समाज में प्रेम, भाईचारे एवं आपसी सद्भाव को मजबूत करने का संदेश देता है।

त्यौहार पर राखी और मिठाई की दुकानों पर रही भीड़

पर्व को लेकर राखी और मिठाई की दुकानों पर सुबह से दोपहर तक लोगों की भीड़ देखने को मिली। बहनों ने भाइयों के लिए विभिन्न डिजाइन और रंगों की राखियों के साथ मिठाइयों की खरीदारी की। बाजार में दिनभर त्यौहारी चहल-पहल बनी रही। शनिवार से भादो का महीना शुरू होने के कारण कई बहनें रक्षाबंधन के दिन ही भाइयों को राखी बांधकर अपने मायके से ससुराल अथवा अपने घर लौट गईं। स्थानीय मायत्ता के अनुसार भादो माह में बहन-बेटियों को विदा नहीं किया जाता है। इसी परंपरा के चलते कई परिवारों में रक्षाबंधन के दिन ही विदाई की गई।

गांव-गलियों में गूंजते रहे
रक्षाबंधन पर्व के गीत

रक्षाबंधन को लेकर पूरे दिन नगर की गलियों और गांवों में उत्साह का माहौल रहा। कई स्थानों पर राखी के पारंपरिक गीत सुनाई देते रहे। पर्व ने भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, स्नेह और आत्मीयता को और गहरा किया। पूरे क्षेत्र में दिनभर रक्षाबंधन की खुशियां छाई रहीं।



भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने बहन से रक्षा सूत्र बनवाया एवं बहनों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

खबर संक्षेप

टॉयलेट क्लीनर पीने
से महिला की मौत

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित सेमरा में एक महिला ने घर में रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर पति उसे लेकर एम्स पहुंचा। वहां महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सीमा भाई पति रंजीत लोधी (35) सेमरा में रहती थीं। रंजीत मजदूरी करता है। रंजीत और सीमा लोधी के तीन बच्चे हैं। गत 19 अगस्त की सुबह सीमा बाई ने घर में रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर वह सीमा को लेकर एम्स पहुंचा था। वहां करीब 8 दिन चला इलाज के बाद शुक्रवार सुबह सीमा की मौत हो गई। सीमा के मायके पक्ष के बयान में पता चला कि सीमा का बचपन से ही दिमागी संतुलन ठीक नहीं था। उसका इलाज भी करा रहे थे। वह कुछ दिन ठीक रहती थी फिर उसे पागलपन के दौर पड़ने लगते थे।

खेड़ापति मंदिर तालाब में
भुजरियों का विसर्जन

औबेदुल्लागंज। शनिवार को भुजरियों का त्यौहार हर्षोल्लास से मनाया गया। ढोल-धमाकों के साथ भुजरियों का विसर्जन हिरनिया खेड़ापति मंदिर तालाब पर किया गया। विसर्जन के बाद सभी लोगों ने एक-दूसरे को भुजरिया देकर बड़ों का आशीर्वाद लिया। तामोटे में भी भुजरियों का चल समारोह निकाला गया। तामोटे में अच्छी पैदावार की कामना की गई एवं एक-दूसरे को भुजरिया देकर गले मिलकर भुजरिया की बधाई दी गई।

सूरत सिंह चौहान
का निधन

औबेदुल्लागंज। नगर के वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र सिंह चौहान, पूर्व पार्षद वीरेंद्र चौहान एवं शैलेन्द्र सिंह चौहान के पूंथू पिताश्री सूरत सिंह चौहान का शुक्रवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर से नगर में शोक की लहर है। उनका दाह संस्कार शाहगंज नर्मदा तट मुक्तिधाम पर किया गया। श्री चौहान के निधन पर विधायक सुरेंद्र पटवा, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, दीपू परमार, महेश जैन, नरेश सेठी, महेंद्र चौहान, जितेंद्र चौहान, मनोज चौरसिया, मौनी नागर, प्रेस क्लब के अध्यक्ष भारत निहाल, भूपेंद्र मेहरा, राजेश सैनी, वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन, वचन लोधी, संदीप श्रीवास्तव, कपिल राय, अमित श्रीवास्तव आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

शुक्रांक			
कर्याणः	1235		
दिनः	---	--	---
रातः	---	--	---
ताराः			
दिनः	---	--	---
रातः	---	--	---

जमीन के बंटवारे को लेकर हुआ था विवाद, किसान का बेटा भी गंभीर रूप से घायल

रक्षाबंधन पर बहन से राखी बंधवाने पहुंचे
किसान की डंडे से पीट-पीटकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम मुड़ियाखेड़ा गांव में शुक्रवार शाम बहन से राखी बंधवाने पहुंचे किसान की लाठी डंडे और रॉड से पीट-पीटकर सौतेले बेटों और उनके साथियों ने हत्या कर दी। इस जानलेवा हमले में किसान का बेटा भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। जानलेवा हमले के बाद जमीन के बंटवारे की बात को लेकर हुए विवाद की बात सामने आई है।

दरअसल, किसान ने बीस साल पहले गांव की विवाहित महिला से शादी कर ली थी। शादी के बाद वह बिलखिरिया में रह रहा था। महिला के पति की मौत के बाद जमीन का बंटवारा होना था। आरोपियों को संदेह था कि महिला किसान और उसके बेटे के नाम पर जमीन कर देगी। थाना प्रभारी रिंकू ने बताया कि आदमपुर छावनी रायसेन रोड बिलखिरिया निवासी कुंजीलाल यादव (50) किसान थे। मूलरूप से ग्राम मुड़ियाखेड़ा गुनगा के रहने वाले थे। शुक्रवार को वह रक्षाबंधन पर अपनी बहन से राखी बंधवाने ग्राम मुड़ियाखेड़ा पौरुघ घर पहुंचे थे।

सौतेले
बेटों और उनके
साथियों ने की
वारदात

आधा दर्जन लोगों ने किया हमला

कुंजीलाल के साथ उनका 20 साल का बेटा ऋषि यादव भी था। शुक्रवार शाम गांव के पास मुख्य रोड पर आधा दर्जन लोगों ने पिता पुत्र को रोक लिया और लाठी-डंडों सहित लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमलावरों ने पिता पुत्र से जमकर मारपीट की और उन्हें मरा हुआ समझकर छोड़कर चले गए। गंभीर रूप से घायल पिता-पुत्र को जामीन भानपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां देर रात इलाज के दौरान कुंजीलाल की मौत हो गई। गंभीर चोट होने के कारण ऋषि यादव की हालत नाजुक बनी हुई है।



करीब बीस साल पहले कुंजीलाल ने गांव
की विवाहित महिला से शादी की थी

पुलिस ने बताया कि करीब बीस साल पहले कुंजीलाल यादव ने गांव की विवाहित महिला से शादी कर ली और उसके साथ आदमपुर छावनी थाना बिलखिरिया में रहने लगे थे। महिला के पहले पति से तीन बेटों समेत छह बच्चे थे। सभी बच्चे पहले पति के हैं और मुड़ियाखेड़ा में रह रहे थे। कुंजीलाल के भी महिला से दो बच्चे हैं। 2019 में महिला के पहले पति की मौत के बाद कुंजीलाल और उसकी पत्नी ने उसकी जमीन पर अपना दावा पेश कर दिया। उसी को लेकर कुंजीलाल का सौतेले बेटों पप्पू यादव, निरिन यादव और राहुल यादव से विवाद चल रहा था। पुलिस ने पप्पू, निरिन और राहुल समेत करीब आधा दर्जन लोगों को खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

दो हथियार तस्करों से पिस्टल
और 18 धारदार छुरी बरामद

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

क्राइम ब्रांच की टीम ने अवैध हथियारों के तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से पिस्टल और 18 धारदार छुरी बरामद की है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में कार्रवाई करते हुए हथियारों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार भोपाल टॉकीज के पास बाल विहार ग्राउंड से अवैध रूप से धारदार छुरियां बेच रहे संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम माजिद उर्फ मजीद (30)

हनुमानगंज, हाल पता निशातपुर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास सफेद प्लास्टिक की बोरी के अंदर छिपाई गई लोहे की 18 धारदार छुरी बरामद की गई। एक अन्य सूचना के मुताबिक से मिली कि विदिशा रोड, रास्ताखेड़ी में एक संदिग्ध छह राउंड रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस लेकर घूम रहा है। क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम नवेद खान उर्फ नब्बू (24) मालीखेड़ी, थाना छोला मंदिर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक रिवॉल्वर और पेंट की जेब से एक जिंदा कारतूस मिला।

प्राणघातक हमले के
दोषी को 2 वर्ष का
कारावास

भोपाल। पुराने विवाद को लेकर फरियादी के भाई के साथ मारपीट कर घायल करने के आरोप में इक्कीसवें अपर सत्र न्यायाधीश भोपाल हिमांशु कोशल के न्यायालय ने अभियुक्त राजेश वर्मा को भारद्वाज की धारा-324 एवं धारा- 25 (1-बी) (बी) आयुध अधिनियम के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष के सश्रम कारावास और 2000 हजार रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। न्यायालय ने अभियुक्त विक्की उर्फ विकास आगासे वर्मा एवं गोलू उर्फ अभिषेक आगासे वर्मा को 1 वर्ष के सश्रम कारावास, 2000 हजार के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

साई की
प्रतिमा की
पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

संत हिरदाराम नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था सिंधु नव जागरण समिति, स्वामी शांति प्रकाश धर्मशाला ट्रस्ट, झूलेलाल कल्याण मंडल सेवा समिति व सिंधु जागृति सेवा समिति ने सतगुरु स्वामी शांति प्रकाश महाराज का 120वां जन्मोत्सव मुख्य मार्ग स्थित झूलेलाल मंदिर में स्वामी की प्रतिमा के समक्ष मनाया। इस अवसर पर साई की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की गई। भगत कमल खत्री व निलेश गंगवानी के भजनों का कार्यक्रम हुआ। साई के भजनों व भगवान झूलेलाल के भजनों पर भक्त झूम उठे।

रक्षाबंधन की लोगों को बधाई दी

कार्यक्रम में सिंधु नव जागरण समिति के अध्यक्ष नरेश चोटरानी, पार्षद अशोक मारन, ट्रस्ट के अध्यक्ष माधू चौधवानी, कल्याण मंडल के राज कुमार वाघवानी ने कैक काटकर श्रद्धालुओं को सद्गुरु स्वामी शांति प्रकाश महाराज के जन्मदिवस व रक्षाबंधन की बधाई दी व साई के बताए मार्ग पर चलने, दीन-दुखियों की सेवा, गरीब, बूढ़े, बच्चों की सेवा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम लालवानी ने किया। आभार भरत पारदसाणी ने माना। इस अवसर पर आर्यनदास वाघवानी, राम पारदसाणी, दयाल सतानी, हीरो हिंदू, नंद दादलानी, राकेश शेवानी, मनोहर सतानी, सीतल चेलानी, हीरानंद वाघवानी, किशोर साधवानी, मुरली गुरुबानी, कमलेश छुबानी, मूलचंद रामचंदानी, बबलू टेकचंदानी, अशोक फुलवानी, प्रभु दास मूलचंदानी, रमेश रामचंदानी, वीरूमल लक्ष्मणी, जवाहर हीरानंदानी, रतन मतानी प्रकाश प्रधान सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

सतगुरु
स्वामी शांति
प्रकाश महाराज का
120वां जन्मोत्सव
मनाया

रोड पर बैठे मवेशियों के झुंड से महिलाएं रास्ता बदलने को मजबूर
अतिक्रमण से ज्यादा आवारा मवेशियों के कारण लग रहा
सड़कों पर ट्रैफिक जाम, राहगीरों के साथ हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

संतनगर समेत शहर की सड़कों पर अतिक्रमण से ज्यादा आवारा मवेशी यातायात के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। सड़क के बीच बैठे और झुंड में घूमते मवेशियों के कारण जहां यातायात बाधित हो रहा है, वहीं हादसों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थिति यह है कि कई महिलाएं मवेशियों के डर से अपना रास्ता तक बदलने लगी हैं।

दो-तीन दिन पहले ही सड़क पर मवेशियों के लड़ने के दौरान वहां से बाइक पर गुजर रहे भाई-बहन हादसे का शिकार हो गए। दोनों को गंभीर चोटें आईं। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा मवेशियों के कारण लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

पार्षद से मुलाकात
कर रहवासियों ने
सौंपा ज्ञापन

हैप्पी
सेवा ग्रुप
ने उठाई
आवाज



बदती समस्या को देखते हुए हैप्पी सेवा ग्रुप की अगुवाई में रहवासियों ने क्षेत्रीय पार्षद राजेश हिंगोरानी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने सड़कों पर बढ़ते आवारा मवेशियों के कारण हो रही परेशानी और दुर्घटनाओं की स्थिति से पार्षद को अवगत कराया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पार्षद ने तत्काल नगर निगम के संबंधित अधिकारियों से फोन पर चर्चा की और आवारा पशुओं की जल्द हटाने के निर्देश दिए। पार्षद ने रहवासियों को समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

बड़ा सवाल: हादसे के बाद
जागेगा नगर निगम?

रहवासियों का कहना है कि आवारा मवेशियों की समस्या किसी एक दिन की नहीं है। जब तक नगर निगम नियमित रूप से अभियान चलाकर सड़कों से मवेशियों को नहीं हटाता और उनके मालिकों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करता, तब तक हादसों का खतरा बना रहेगा। लोगों ने मांग की है कि किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय निगम तत्काल ठोस कार्रवाई करे।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में
मौत, मजार के पास मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित कल्याण नगर मजार के पास घायल मिले युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। राहगीरों ने उसे घायल अवस्था में देखकर अस्पताल पहुंचाया था। वहां उसकी मौत हो गई। परिजन ने मारपीट से मौत होने के आरोप लगाए हैं।

हालांकि पुलिस ने घटनास्थल और आसपास सीसीटीवी कैमरे चेक किए। कैमरों में एक विवाद होता जरूर नजर आया है, लेकिन उसमें युवक कहीं भी मौजूद नहीं था। शरीर पर मिले चोट के निशान देखकर अनुमान लगाया जा रहा है

कि उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार की रात कल्याण नगर, मजार के पास राहगीरों ने सड़क किनारे एक व्यक्ति को बेसुध अवस्था में पड़े देखा था। इसके बाद उसे एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। वहां युवक का इलाज किया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। परिजन को घटना की जानकारी मिली तो वह थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतक जीशानउद्दीन (30) उनका बेटा था और गौतम नगर में रहता था। वह रिश्तेदार के घर कल्याण नगर छोला गया था।

प्रदेश भाजपा कार्यसमिति ओरछा में बनाएगी मिशन-2028 का रोडमैप, बैठक आज

विशेष प्रतिनिधि ►►मोपाल

प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी ओरछा में होने वाली दो दिवसीय बैठक रविवार 30 अगस्त से प्रारंभ हो रही है। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव 'मिशन-2028' के लिए संगठनात्मक रोडमैप तैयार करना है। इस बार भाजपा युवा पीढ़ी के बीच अपनी पैठ बढ़ाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करेगी, ताकि नई पीढ़ी के मतदाताओं के साथ प्रभावी संवाद किया जा सके। स्थानीय निकाय और सहकारिता चुनावों को लेकर भी इस बैठक में चुनौति तय की जाएगी। एक अन्य लक्ष्य आगामी महीनों के लिए पार्टी का संगठनात्मक एजेंडा तय करना और राज्य की राजनीतिक व चुनावी चुनौतियों पर रणनीति बनाना है।

युवा मतदाताओं को साधने रील्स से बूथ तक बनेगी रणनीति

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने ओरछा पहुंच लिया तैयारी का जायजा



ओरछा पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल।

►► खंडेलवाल और रणदिवे पहुंचे ओरछा, ली बैठक

शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे ओरछा पहुंचे। उन्होंने स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तैयारियों पर चर्चा की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। खंडेलवाल ने बताया कि बैठक में प्रदेश कार्यसमिति के 106 सदस्य, संभाग प्रमारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रमारी और अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि ओरछा में पहली बार इतने बड़े स्तर पर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हो रही है। खंडेलवाल ने कहा कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठकें हर दो-तीन महीने में होंगी चाहिए। संगठन को मजबूत बनाए रखने के लिए इन बैठकों का नियमित आयोजन जरूरी है।

कार्यकर्ताओं को दी जिम्मेदारी निभाने की सीख

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि व्यक्ति को हमेशा कार्यकर्ता की भावना के साथ काम करना चाहिए। पद मिलने से पहले, पद पर रहते हुए और पद से हटने के बाद भी कार्यकर्ता की भावना बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारी पर ध्यान देना चाहिए। जिम्मेदारी अच्छी तरह निभाने पर परिचय अपने आप बढ़ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि बैठक में आने वाले प्रतिनिधियों की ऐसी मेहमाननवाजी करें, जिससे ओरछा की यह कार्यसमिति लंबे समय तक याद रहे।

संगठन की पकड़ को मजबूत करने पर मुख्य फोकस

फिलहाल भाजपा का मुख्य फोकस संगठन की पकड़ को मजबूत करना है। पार्टी नेताओं के अनुसार संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक सक्रिय बनाने के लिए कार्यसमिति के सभी 106 सदस्यों को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की अहम जिम्मेदारियां भी सौंपी जा सकती हैं। पार्टी का जोर हर विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर तक संगठन का विस्तार करने पर भी रहेगा। 'हर बूथ, सबसे मजबूत' अभियान के तहत जमीनी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के साथ विपक्षी दलों के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में पार्टी का प्रभाव बढ़ाने की योजना बनाने पर संगठन विचार कर रहा है।

नई पीढ़ी से संपर्क और संवाद पर ध्यान

बैठक में नई पीढ़ी के सोच और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए उनसे संपर्क और संवाद करने की नई रूपरेखा तैयार की जाएगी। भाजपा जैसी बड़ी राजनीतिक पार्टी के लिए नई पीढ़ी-विशेषकर जेन जी (1997-2012 के बीच जन्मे) और जेन-अल्फा (2013 के बाद जन्मे बच्चों) को आकर्षित करना एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों हैं। यह पीढ़ी लंबे भाषण नहीं सुनती। इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स और मोज जैसे एप पर 15 से 30 सेकंड के आकर्षक, रचनात्मक और म्यूजिकल वीडियो के जरिए सरकारी योजनाओं और विचारधारा को इस वर्ग तक पहुंचाया जाएगा।

►► ओरछा मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित

वीवीआईपी के आगमन को देखते हुए यातायात पुलिस ने दो दिनों के लिए रूट डायवर्जन और पार्किंग की विशेष व्यवस्था की है। 30 और 31 अगस्त को ओरछा मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। झांसी से ओरछा होते हुए पृथ्वीपुर और टीकमगढ़ जाने वाले वाहनों को ओरछा

कस्बे से प्रवेश नहीं मिलेगा। महत्वपूर्ण व्यक्तियों का काफिला निकलने के दौरान श्रीराम राजा मंदिर जाने वाले श्रद्धालु और पर्यटक आजादपुरा और रामनगर मार्ग का उपयोग कर सकेंगे। वीवीआईपी मूवमेंट के समय यातायात व्यवस्था में जल्दरत के अनुसार अस्थायी बदलाव भी किया जा सकता है।

सीएम ने उज्जैन में वाल्मीकि धाम आश्रम में किया छड़ी-पूजन



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार सुबह उज्जैन स्थित श्री वाल्मीकि धाम सिद्धपीठ (आश्रम) पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रम में अनंत श्री विभूषित 1008 स्वामी सोहनदास की समाधि और प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ दर्शन-पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान सीएम ने वाल्मीकि धाम आए श्री जाहरवीर गोगादेव के निशान ध्वज का भी विधि-विधान से छड़ी-पूजन किया। साथ ही राज्यसभा सदस्य एवं बालयोगी संत उमेशनाथ महाराज से भेंट कर उनका शुभाशीष प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री वाल्मीकि धाम सिद्धपीठ आश्रम में दर्शन-पूजन के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। वर्तमान समय में यह जरूरी है कि हम साधु-संतों के आशीर्वाद से अपने अतीत के गौरव को पुनः स्थापित करें। प्रदेशवासियों को लोक पर्व भुजरिया की दी शुभकामनाएं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को स्नेह, सौहार्द और सामाजिक समरसता के लोक पर्व भुजरिया की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि भुजरिया पर्व हमारी समृद्ध लोक परंपराओं को प्रवाहमान बनाता है। उन्होंने सभी सामान करते हुए कहा कि आइए, इस पावन अवसर पर प्रेम, सद्भाव और समरसता को और सुदृढ़ करने का संकल्प लें।

विशेष प्रतिनिधि ►►मोपाल

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार 29 अगस्त को बालाघाट जिले के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी का भ्रमण कर विद्यार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर 10वीं कक्षा के विद्यार्थी अति उत्साहित नजर आए। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के लक्ष्य को लेकर बातचीत की। छात्राओं ने रक्षाबंधन पर्व पर जन विश्वास अभियान अंतर्गत हुए विद्यालय भ्रमण में डॉ यादव को राखी बांधी और उपहार स्वरूप स्कूल को सांदीपनि विद्यालय में परिवर्तित करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को निराश नहीं किया और आश्वासित किया कि उनके विद्यालय को सांदीपनि विद्यालय बनाया जाएगा।

खास बातें

- बच्चों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के लक्ष्य को लेकर चर्चा
- रक्षाबंधन पर्व पर जन विश्वास अभियान अंतर्गत सीएम को बांधी राखी
- सीएम ने विद्यार्थियों से पूछा कि विद्यालयों का नाम सांदीपनि क्यों रख रहे हैं

छात्राओं से किए सवाल तो मिले ये जवाब



विद्यार्थियों के बीच क्लासरूम में दिखे सीएम।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कक्षा 10वीं में रसायन विज्ञान के चल रहे पीरियड में विद्यार्थियों से सवाल किया कि 'पानी में क्या डालने से आग लग जाती है?' बालिका द्वारा सोडियम को पानी में डालने से आग लग जाने संबंधी उत्तर पर मुख्यमंत्री ने सराहना की। डॉ यादव से

कक्षा में एक बालिका ने सवाल किया कि सीएम राइज विद्यालयों का नाम सांदीपनि विद्यालय क्यों रखा गया है? मुख्यमंत्री ने बालिका के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और उनके मित्र सुदामा के गुरु महर्षि सांदीपनि से प्रेरणा लेकर इन विद्यालयों का



बच्चों के बीच शिक्षक की भूमिका में दिखे सीएम।

नाम सांदीपनि विद्यालय रखा गया है। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में बगैर किसी भेदभाव के सांदीपनि गुरु के आश्रम की तरह ही अमीर और गरीब सभी बच्चों को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

नक्सलमुक्त हो चुके बालाघाट के विकास और रोजगार के अवसरों का सृजन ही लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने बालाघाट जिले में नक्सलवादी गतिविधियों को जड़ से खत्म कर दिया है। आज हमारा प्रशासन और अधिकारी उन इलाकों तक पहुंचे हैं, जहां बीते कई सालों तक कभी कोई नहीं पहुंच पाया। बालाघाट जिला वह क्षेत्र रहा है, जहां नक्सलियों ने दिसंबर 1999 में तत्कालीन सरकार के मंत्री की निर्मम हत्या कर दी थी। राज्य के लिए 30 से 35 साल का वह दौर अत्यधिक कष्टकारी समय था। अब हमारी सरकार नक्सलमुक्त हो चुके बालाघाट जिले में विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। हमारे

प्रशासनिक अधिकारी अलग-अलग इलाकों में शिविर लगाकर लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर रहे हैं। डॉ. यादव शनिवार को बालाघाट जिले के लांजी में जनविश्वास अभियान कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने घोषणा की कि बैगा समुदाय की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए बैगा विकास प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी। इस प्राधिकरण से बैगा समुदाय के लिए सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के कार्य प्राथमिकता से पूरे किए जाएंगे।

मेघालय के चेरापूजी को भी पीछे छोड़ देगा लांजी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक और नैसर्गिक सुंदरता में बालाघाट जिले के लांजी का पूरा क्षेत्र मेघालय के चेरापूजी को भी पीछे छोड़ देगा। यहां इको टूरिज्म और ट्राइबल टूरिज्म के विकास की भी अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए पशुपालन एवं कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने तथा कान्हा नेशनल पार्क के समीप पर्यटन सुविधाओं के विकास की सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हमने यहां होम-स्टे की संख्या बढ़ाने जैसे निर्णय लिए हैं। डॉ यादव ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों समूह (पीबीटीजी) में आने वाले बैगा समुदाय के लिए विशेष कार्य करने की आवश्यकता है।

बैगा समुदाय के समेकित विकास के लिए रोडमैप तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बैगा समुदाय की संस्कृति काफी उत्कृष्ट है। बैगा समुदाय की कला, संस्कृति, कला और स्थानीय उत्पादों को जोड़कर समेकित विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया गया है, ताकि बैगा समाज भी बाकी समाजों की तरह विकास की नई यात्रा से जुड़े। उन्होंने कहा कि बैगा समाज के युवाओं को रोजगार मिले, महिलाओं का जीवन बेहतर हो, प्रत्येक परिवार में खुशहाली आए इसके लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी। डॉ यादव ने कहा कि हमारा प्रयास है कि बालाघाट जिला अब आत्मनिर्भर भी बने। हमारा प्रयास है कि नक्सलमुक्त प्रत्येक गांव में विकास की नई रोशनी पहुंचे।

संवेदनशील होकर समन्वयपूर्वक करना होगा कार्य: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय सामाजिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों और सभी दलों के जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि बालाघाट क्षेत्र के विकास के लिए सभी को संवेदनशील होकर समन्वयपूर्वक कार्य करना होगा। सालों तक नक्सल प्रभावित रहने से इस इलाके में प्रशासन और कल्याणकारी योजनाएं नहीं पहुंच पाईं। अब समय यहां की चुनौतियों को समाप्त करते क्षेत्र को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने का है।

बारिश में बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों को उपलब्ध नहीं हुए रेनकोट और जूते

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

बिजली कंपनियों में कार्यरत करीब 15 हजार बिजली आउटसोर्स लाइन हेल्पर, सब स्टेशन ऑपरेटर एवं विद्युत सहायकों को बारिश का आधा सौजन्य बीतने के बावजूद तीनों बिजली कंपनियों ने बरसाती जूते और रेन कोट अब तक प्रदान नहीं किए हैं।

इससे जोखिमपूर्ण बिजली संबंधी काम के दौरान तकनीकी बिजली आउटसोर्स कर्मियों को हर दिन बारिश के मौसम में बाधा

9वीं से बच्चे सीखेंगे एआई, 1 सितंबर से शुरू होंगी ऑनलाइन कक्षाएं

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

प्रदेश के शासकीय हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में अब कक्षा 9वीं से विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई कराई जाएगी। समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदेश के 1,848 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) विद्यालयों में एआई असिस्टेंट का व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसकी ऑनलाइन कक्षाएं 1 सितंबर से शुरू होंगी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एआई असिस्टेंट की कक्षाएं विमर्श पोर्टल के माध्यम से यूट्यूब पर उपलब्ध वीडियो से स्मार्ट कक्षा में संचालित होंगी।

प्रदेश की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं तथा सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह से मध्यप्रदेश में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। सीएम ने

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह से की सौजन्य भेंट



बड़े कर्जदारों के लिए हजारों करोड़ का 'हेयरकट', आम आदमी के लिए कर्ज का बोझ क्यों: बरोलिया

हरिभूमि न्यूज़ ►►मोपाल

बड़े उद्योगों और कंपनियों के कर्ज मामलों में बैंकों द्वारा हजारों करोड़ रुपये के 'हेयरकट' क्यों नहीं बनाई जा सकती? बरोलिया ने कहा कि उपलब्ध केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2014-15 से 30 सितंबर 2025 तक लॉज इंडस्ट्रीज और लॉज सर्विस श्रेणी में लगभग 9.87 लाख करोड़ के बैंक ऋण वाइट ऑफ किए गए हैं। सरकार और बैंकों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि कितनी राशि का दावा था, कितनी राशि वसूल हुई, कितनी राशि छोड़ी गई, इनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर वित्तीय प्रभाव कितना पड़ा।

चाहिए कि बड़े कर्जदारों के लिए राहत की व्यवस्था हो सकती है, तो आर्थिक संकट में फंसे आम नागरिकों के लिए व्यापक 'ऋण राहत नीति' क्यों नहीं बनाई जा सकती? बरोलिया ने कहा कि उपलब्ध केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2014-15 से 30 सितंबर 2025 तक लॉज इंडस्ट्रीज और लॉज सर्विस श्रेणी में लगभग 9.87 लाख करोड़ के बैंक ऋण वाइट ऑफ किए गए हैं। सरकार और बैंकों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि कितनी राशि का दावा था, कितनी राशि वसूल हुई, कितनी राशि छोड़ी गई, इनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर वित्तीय प्रभाव कितना पड़ा।

राखी बंधवाकर किया आत्मीय संवाद, सीएम को अपने बीच पाकर खुश दिखे ग्रामीण सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों को देख मुख्यमंत्री ने रुकवाया काफिला

विशेष प्रतिनिधि ►►मोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 29 अगस्त को बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे कोरका-बोंदारी क्षेत्र का दौरा कई आत्मीय और भावुक पलों का साक्ष्य बना। बीमारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर जब मुख्यमंत्री वापस लांजी की ओर लौट रहे थे, तभी ग्राम देवरबेली में सड़क किनारे खड़ी बहनों और बच्चों को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया।

मुख्यमंत्री के अचानक गाड़ी रुकवाने और ग्रामीणों के बीच पहुंचने से वहां मौजूद लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। डॉ यादव ग्रामीणों के बीच पहुंचे और बहनों एवं बच्चों से आत्मीयता के साथ मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। रक्षाबंधन के अवसर पर जनजाति बहुल गांव की बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी और उन्हें शुभाशीष दिया। मुख्यमंत्री ने भी बहनों के स्नेह और आशीर्वाद को आत्मीयता से स्वीकार किया।



जनजाति बहुल क्षेत्र की बहनों से सीएम ने बंधवाई राखी।

ग्रामीणों से सहज संवाद कर सुनी समस्याएं

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ग्रामीणों से सहज संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने गांव और क्षेत्र से जुड़ी अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की बातें गंभीरता से सुनीं और आवश्यक कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री का सड़क किनारे रुककर सीधे उनके बीच आना यह दर्शाता है कि सरकार गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भावनाओं और समस्याओं को समझने के लिए उनके बीच पहुंच रही है। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय व्यवहार ने ग्रामीणों के बीच अपनत्व और विश्वास की भावना को और मजबूत किया।

डायरेक्ट या रेगुलर : बाजार में पैसा लगाने से पहले अपना लक्ष्य तय करें

निवेश से पहले समझें कौन सा प्लान सबसे बेहतर

दोनों प्लान में निवेश एक ही फंड और लगभग समान पोर्टफोलियो में होता है ■ खर्च, एनएवी और लंबी अवधि के रिटर्न में आ सकता है अंतर ■ निवेशक अपनी रिस्क क्षमता और जरूरत के आधार पर लें फैसला

म्यूचुअल फंड निवेश में एक्सपेंस रेटियो का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि निवेश लंबे समय के लिए किया जाता है। यदि दो समान योजनाओं में से एक में खर्च लगातार थोड़ा अधिक है, तो कई वर्षों में इसका असर निवेश के कुल मूल्य पर पड़ सकता है। इसीलिए निवेशक को केवल पिछले रिटर्न को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उसे एक्सपेंस रेटियो, फंड का प्रदर्शन, जोखिम, निवेश का उद्देश्य और अपने निवेश की अवधि जैसे पहलुओं को भी देखना चाहिए।

{
 निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का फैसला करते समय केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कौन सा फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि वह डायरेक्ट प्लान में निवेश कर रहा है या रेगुलर प्लान में। दोनों विकल्पों में आमतौर पर एक ही म्यूचुअल फंड स्कीम और एक ही फंड मैनेजर के जरिए निवेश किया जाता है, लेकिन दोनों की लागत संरचना अलग होती है। यही अंतर लंबी अवधि में निवेश के रिटर्न पर असर डाल सकता है। निवेशक के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान में अंतर क्या है और इनमें से कौन सा विकल्प उसके लिए बेहतर है। इसका जवाब हर निवेशक के लिए एक जैसा नहीं हो सकता। यदि निवेशक खुद फंड की रिसर्च कर सकता है और अपने पोर्टफोलियो को संभालने में सक्षम है तो डायरेक्ट प्लान कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। वहीं नए या ऐसे निवेशक जिन्हें फंड चुनने और निवेश प्रबंधन में मदद चाहिए, उनके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी हो सकता है।



रेगुलर प्लान में मिलती है डिस्ट्रीब्यूटर की मदद

रेगुलर प्लान में निवेशक म्यूचुअल फंड कंपनी यानी एएससी तक सीधे नहीं पहुंचता। वह बैंक, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, ब्रोकर या वित्तीय सलाहकार के माध्यम से निवेश करता है। निवेश प्रक्रिया पूरी करने के साथ-साथ डिस्ट्रीब्यूटर निवेशक को फंड चुनने, कागजी प्रक्रिया और निवेश से जुड़ी दूसरी सेवाओं में मदद कर सकता है। इस सेवा की लागत भी होती है। म्यूचुअल फंड कंपनी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन देती है और यह खर्च फंड के एक्सपेंस रेटियो में शामिल होता है। इसलिए आमतौर पर रेगुलर प्लान का एक्सपेंस रेटियो उसी स्कीम के डायरेक्ट प्लान की तुलना में अधिक होता है।

डायरेक्ट प्लान में नहीं होता डिस्ट्रीब्यूटर कमीशन

डायरेक्ट प्लान में निवेशक किसी डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से निवेश करने के बजाय सीधे एएससी से निवेश करता है। इसमें डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं देना पड़ता। इसी कारण डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेटियो आमतौर पर रेगुलर प्लान से कम होता है। कम खर्च का फायदा लंबी अवधि में दिखाई दे सकता है। चूंकि निवेश की लागत कम रहती है, इसलिए बाकी परिस्थितियां समान रहने पर डायरेक्ट प्लान का नेट रिटर्न रेगुलर प्लान से थोड़ा अधिक हो सकता है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि डायरेक्ट प्लान का मतलब कम जोखिम नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव और फंड से जुड़े जोखिम दोनों प्लान में बने रहते हैं।

एनएवी भी होता है अलग

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि जब स्कीम और फंड मैनेजर एक ही हैं तो डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान का एनएवी भी समान होना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है। दोनों प्लान के खर्च अलग होने के कारण इनके एनएवी में भी अंतर हो सकता है। रेगुलर प्लानमें डिस्ट्रीब्यूटर से जुड़ी लागत शामिल होती है, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह लागत नहीं होती। इसी वजह से समय के साथ दोनों प्लान के एनएवी और निवेशक के अंतिम रिटर्न में अंतर पैदा हो सकता है। यह अंतर किसी अलग निवेश रणनीति के कारण नहीं, बल्कि मुख्य रूप से दोनों प्लान की लागत संरचना के कारण होता है।

किसके लिए बेहतर

डायरेक्ट प्लानउन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हो सकता है जिन्हें म्यूचुअल फंड की पर्याप्त जानकारी है। ऐसे निवेशक खुद अलग-अलग फंड की तुलना कर सकते हैं, जोखिम समझ सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो की समय-समय पर समीक्षा कर सकते हैं। यदि निवेशक को पता है कि उसे किस श्रेणी के फंड में निवेश करना है और वह अपने निवेश संबंधी फैसले खुद लेने में सहज है, तो कम एक्सपेंस रेटियो वाला डायरेक्ट प्लान उसके लिए लागत के लिहाज से आकर्षक हो सकता है। लेकिन केवल कम खर्च देखकर डायरेक्ट प्लान चुनना सही रणनीति नहीं है।

किसके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी ?

- रेगुलर प्लान ऐसे निवेशकों के लिए उपयोगी हो सकता है जिन्हें निवेश की जानकारी सीमित है या जो फंड चुनने और पोर्टफोलियो संभालने में विशेषज्ञ की मदद चाहते हैं।
- नए निवेशक के लिए कई बार सही फंड चुनना, जोखिम का आकलन करना, निवेश की अवधि तय करना और पोर्टफोलियो में बदलाव करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डिस्ट्रीब्यूटर की सहायता सुविधा प्रदान कर सकती है। हालांकि निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि इस सुविधा की लागत फंड के खर्च में शामिल होती है।

फैसला करने से पहले इन बातों पर दें ध्यान

डायरेक्ट प्लानया रेगुलर प्लान चुनने से पहले निवेशक को अपनी वित्तीय स्थिति और फैसला करना आकलन करना चाहिए। केवल यह सोचकर डायरेक्ट प्लान चुनना उचित नहीं है कि उसका एक्सपेंस रेटियो कम है। इसी तरह केवल सुविधा के लिए रेगुलर प्लान लेना भी जरूरी नहीं है। निवेशक को यह देखना चाहिए कि वह कितने समय के लिए निवेश कर रहा है, कितना जोखिम उठा सकता है, फंड की लागत कितनी है और क्या वह अपने निवेश की निगरानी खुद कर सकता है।

निवेश का फैसला जल्दबाजी में न करें

डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान के बीच चुनाव व्यक्तिगत जरूरत पर निर्भर करता है। डायरेक्ट प्लान में कम लागत का फायदा मिल सकता है, जबकि रेगुलर प्लान में डिस्ट्रीब्यूटर की सहायता और सुविधा मिलती है। दोनों में निवेश का बाजार जोखिम बना रहता है। इसलिए निवेश करने से पहले केवल प्लान का नाम देखकर फैसला न करें। फंड के उद्देश्य, जोखिम, एक्सपेंस रेटियो, पिछला प्रदर्शन, निवेश अवधि और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर योग्य वित्तीय सलाहकार से सलाह लेकर ही निवेश का निर्णय लेना बेहतर है।

5,000 की एसआईपी

लार्ज, मिड या स्मॉल कैप

कहां बनेगा बड़ा फंड ?



हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करने वाले निवेशक के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि पैसा लार्ज, मिड या स्मॉल कैप फंड में लगाया जाए। तीनों कैटेगरी में जोखिम और रिटर्न की संभावना अलग होती है। इसलिए केवल पिछले एक साल के रिटर्न को देखकर फैसला करना सही रणनीति नहीं है। इतिवृत्ति म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा तभी बेहतर तरीके से मिल सकता है, जब निवेशक लंबी अवधि तक बाजार में बना रहे और उतार-चढ़ाव के दौरान घबराकर एसआईपी बंद न करे। पहले समझिए तीनों कैटेगरी में अंतर

सबसे की चर्चा कर फंड में छोटी कंपनियों में निवेश किया जाता है। इनमें से कुछ कंपनियां मविष्य में बड़ी कंपनियां बन सकती हैं और शानदार रिटर्न दे सकती हैं। लेकिन हर स्मॉल कैप कंपनी सफल हो, यह जरूरी नहीं है। बाजार में तेजी के दौरान स्मॉल कैप फंड तेज रफ्तार से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए जिस रकम की अगले कुछ वर्षों में जरूरत पड़ सकती है, उसे स्मॉल कैपमें लगाने से बचना बेहतर है। पांच साल बाद घर खरीदने या किसी बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो उस लक्ष्य के पैसे पर अत्यधिक जोखिम लेना उचित नहीं होगा।

5,000 की एसआईपी को ऐसे बांटे

कैटेगरी	मासिक एसआईपी	सालाना निवेश
लार्ज कैप	2,500	30,000
मिड कैप	1,500	18,000
स्मॉल कैप	1,000	12,000
कुल	5,000	60,000

3 अलग-अलग फंड लेना जरूरी नहीं

5,000 रुपये को तीन अलग-अलग फंड में बांटना अनिवार्य नहीं है। अगर निवेशक खुद लार्ज कैप और स्मॉल कैप के बीच अनुपात तय नहीं करना चाहता तो फ्लेक्सि कैप फंड पर भी विचार किया जा सकता है। ऐसे फंड को अलग-अलग मार्केट कैप वाली कंपनियों में निवेश करने की अधिक स्वतंत्रता होती है। यहां भी केवल पिछले साल के शानदार रिटर्न को देखकर फंड चुनना सही नहीं है।

बाजार गिरते ही एसआईपी बंद कर देना लंबी अवधि के निवेश में बड़ी गलती हो सकती है। गिरते बाजार में समान 5,000 रुपये से ज्यादा यूनिट खरीदी जा सकती हैं। बाजार में सुधार पर अतिरिक्त यूनिट फायदा बढ़ाने में मदद होती है।

10-15 साल का समय है तो मिड कैप

अगर निवेशक की कमाई नियमित है और अगले 10-15 साल तक निवेश की गई रकम की जरूरत नहीं है, तो पोर्टफोलियो में मिड कैप का हिस्सा रखा जा सकता है। इन कंपनियों में मविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है। इसके साथ ज्यादा जोखिम भी आता है। बाजार में गिरावट के दौरान मिड कैप फंड में लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यहां निवेश करने वाले व्यक्ति में लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने का धैर्य होना जरूरी है।

स्मॉल कैप में ज्यादा जोखिम

स्मॉल कैप फंड में छोटी कंपनियों में निवेश किया जाता है। इनमें से कुछ कंपनियां मविष्य में बड़ी कंपनियां बन सकती हैं और शानदार रिटर्न दे सकती हैं। लेकिन हर स्मॉल कैप कंपनी सफल हो, यह जरूरी नहीं है। बाजार में तेजी के दौरान स्मॉल कैप फंड तेज रफ्तार से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए जिस रकम की अगले कुछ वर्षों में जरूरत पड़ सकती है, उसे स्मॉल कैपमें लगाने से बचना बेहतर है। पांच साल बाद घर खरीदने या किसी बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो उस लक्ष्य के पैसे पर अत्यधिक जोखिम लेना उचित नहीं होगा।

5,000 की एसआईपी को ऐसे बांटे

कैटेगरी	मासिक एसआईपी	सालाना निवेश
लार्ज कैप	2,500	30,000
मिड कैप	1,500	18,000
स्मॉल कैप	1,000	12,000
कुल	5,000	60,000

3 अलग-अलग फंड लेना जरूरी नहीं

5,000 रुपये को तीन अलग-अलग फंड में बांटना अनिवार्य नहीं है। अगर निवेशक खुद लार्ज कैप और स्मॉल कैप के बीच अनुपात तय नहीं करना चाहता तो फ्लेक्सि कैप फंड पर भी विचार किया जा सकता है। ऐसे फंड को अलग-अलग मार्केट कैप वाली कंपनियों में निवेश करने की अधिक स्वतंत्रता होती है। यहां भी केवल पिछले साल के शानदार रिटर्न को देखकर फंड चुनना सही नहीं है।

बाजार गिरते ही एसआईपी बंद कर देना लंबी अवधि के निवेश में बड़ी गलती हो सकती है। गिरते बाजार में समान 5,000 रुपये से ज्यादा यूनिट खरीदी जा सकती हैं। बाजार में सुधार पर अतिरिक्त यूनिट फायदा बढ़ाने में मदद होती है।

समय से पहले एफडी तोड़ रहे हैं तो रखें ध्यान, वरना नुकसान

पैसों की जरूरत में एफडी बंद करना जरूरी नहीं, घटेगी ब्याज की रकम

बैं

क की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का साधन माना जाता है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में लोग अपनी बचत को निश्चित अवधि के लिए एफडी में जमा करते हैं। लेकिन कई बार अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है और निवेशक को एफडी की अवधि पूरी होने से पहले ही रकम निकालने का फैसला करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में एफडी को समय से पहले बंद करना संभव है, लेकिन इसके कुछ आर्थिक नुकसान भी हो सकते हैं। एफडी शुरू करते समय बैंक एक निश्चित अवधि और ब्याज दर तय करता है। यदि निवेशक उस अवधि के पूरा होने से पहले एफडी बंद करता है तो जरूरी नहीं कि उसे शुरुआत में तय ब्याज दर का पूरा लाभ मिले। बैंक के नियमों के अनुसार ब्याज में कटौती की जा सकती है और कुछ मामलों में समय से पहले एफडी बंद करने का शुल्क भी लगाया जा सकता है। इसलिए जल्दबाजी में एफडी तोड़ने के बजाय पहले इन पांच जरूरी बातों को समझ लेना चाहिए।

1. समय से पहले एफडी बंद करने पर लग सकता है शुल्क

सबसे पहले अपने बैंक के नियमों की जानकारी लें। एफडी की तय अवधि पूरी होने से पहले पैसा निकालने पर बैंक समयपूर्व निकासी शुल्क या जुर्माना लगा सकता है। यह शुल्क बैंक, एफडी की अवधि और जमा की गई रकम के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। इसलिए एफडी बंद करने से पहले बैंक से यह जरूर पता करें कि शुल्क के रूप में कितनी रकम काट दी जाएगी और एफडी बंद करने के बाद आपके खाते में वास्तविक रूप से कितनी राशि आएगी।

2. पूरा ब्याज नहीं मिल सकता

समय से पहले एफडी बंद करने का सबसे बड़ा असर मिलने वाले ब्याज पर पड़ सकता है। एफडी बनाते समय जिस ब्याज दर का निर्धारण किया गया था, जरूरी नहीं कि समय से पहले एफडी बंद करने पर उसी दर से ब्याज मिले। बैंक आमतौर पर उस अवधि के आधार पर ब्याज की गणना कर सकता है, जितने समय तक रकम वास्तव में एफडी में जमा रही। इसके अलावा समयपूर्व निकासी का शुल्क भी लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपने पांच साल के लिए एफडी कराई थी, लेकिन दो साल बाद ही उसे बंद कर दिया, तो आपको पांच साल की तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं मिल सकता।

3. ब्याज पर लगने वाले कर को भी समझें

एफडी से मिलने वाला ब्याज आपकी आय का हिस्सा माना जाता है और उस पर लागू आयकर नियमों के अनुसार कर देनदारी बन सकती है। इसलिए समय से पहले एफडी बंद करने का फैसला करते समय केवल शुल्क और ब्याज में होने वाले नुकसान पर ही ध्यान न दें। यह भी देखें कि एफडी से अब तक कितना ब्याज अर्जित हुआ है और उस पर आपको कर देनदारी कितनी बन सकती है। अलग-अलग निवेशकों की कर स्थिति अलग हो सकती है।



4. एफडी तोड़ने के बजाय उसके बदले कर्ज ले सकते हैं

अगर आपको थोड़े समय के लिए पैसों की जरूरत है तो पूरी एफडी बंद करना हमेशा जरूरी नहीं है। अपने बैंक से यह पता किया जा सकता है कि एफडी के बदले कर्ज या अधिविकर्ष की सुविधा उपलब्ध है या नहीं। इस व्यवस्था में एफडी को जारी रखते हुए उसकी जमागत के आधार पर जरूरत की रकम प्राप्त की जा सकती है। इससे एफडी पूरी तरह बंद करने से होने वाले ब्याज के नुकसान से बचने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इस विकल्प में बैंक कर्ज पर ब्याज और अन्य शुल्क ले सकता है।

5. पूरी एफडी तोड़ने के बजाय आंशिक निकासी देखें

अगर आपको एफडी में जमा पूरी रकम की जरूरत नहीं है तो पहले यह पता करें कि आपको

बैंक आंशिक निकासी की सुविधा देता है या नहीं। मान लीजिए आपको एफडी में पांच लाख रुपये जमा हैं और आपको केवल दो लाख रुपये की जरूरत है। ऐसी स्थिति में यदि बैंक आंशिक निकासी की सुविधा देता है तो पूरी एफडी बंद करने के बजाय जरूरत के मुताबिक रकम निकाली जा सकती है। इससे बची हुई रकम एफडी में बनी रह सकती है और उस पर आगे ब्याज मिलता रह सकता है। हालांकि, आंशिक निकासी के नियम और ब्याज की गणना बैंक के अनुसार अलग हो सकती है। इसलिए यह सुविधा उपलब्ध है या नहीं और इसका आपको एफडी पर क्या असर पड़ेगा, इसकी जानकारी पहले बैंक से लेनी चाहिए।

जरूरत पर लें एफडी तोड़ने का फैसला

एफडी को समय से पहले बंद करना जरूरत की स्थिति में उपयोगी हो सकता है, लेकिन इसे सामान्य स्थिति में पहला विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। यदि पैसों की जरूरत कम अवधि के लिए है तो पहले आंशिक निकासी, एफडी के बदले कर्ज या अधिविकर्ष जैसे विकल्पों की जानकारी लेना बेहतर हो सकता है। एफडी बंद करने से पहले बैंक से मिलने वाली वास्तविक रकम, ब्याज की गणना, समयपूर्व निकासी शुल्क और कर देनदारी की जानकारी जरूर लें। इसके बाद ही तय करें कि एफडी तोड़ना आपके लिए आर्थिक रूप से सही फैसला है या नहीं। निवेश संबंधी सावधानी: एफडी से जुड़े नियम और शुल्क बैंक के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। एफडी बंद करने से पहले संबंधित बैंक की शर्तों और लागू कर नियमों की जानकारी जरूर लें।

प्रसंस्करण शुल्क की जानकारी पहले लें

किस्त लेने से पहले बैंक या वित्तीय संस्था से यह जरूर पूछें कि प्रसंस्करण शुल्क कितना है। यह एक निश्चित रकम हो सकती है या खरीदारी की रकम के आधार पर तय हो सकती है। इस पर लागू कर की जानकारी भी लें। कुछ बैंकों की 2026 की शर्तों में किस्त सुविधा पर न्यूनतम रकम या लेनदेन के प्रतिशत के आधार पर प्रसंस्करण शुल्क निर्धारित है। इसलिए हर 'नो-कॉस्ट' प्रस्ताव की वास्तविक लागत अलग हो सकती है।

त्योहार में छूट देखकर बजट न बिगाड़ें

त्योहारों ऑफर का फायदा उठाना गलत नहीं है, लेकिन छूट का मतलब बचत तभी है जब खरीदारी आपके बजट के भीतर हो। खरीदारी की रकम पहले से तय करें और उसी सीमा में सामान खरीदें। अगर कोई सामान जरूरत का है और उस पर वास्तविक छूट मिल रही है, किस्त की कुल लागत स्पष्ट है और मासिक भुगतान आसानी से किया जा सकता है तो प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। केवल 'आज का ऑफर', 'सीमित समय की छूट' या 'बिना ब्याज की किस्त' देखकर ज्यादा खर्च करना आर्थिक दबाव बढ़ाता है।

खरीदारी से पहले ये पांच चीजें जरूर जांचें

- पसला, सामान की नकद कीमत और किस्त में कुल भुगतान कितना है।
- दूसरा, तत्काल छूट छोड़ने पर आपको कितना नुकसान हो रहा है।
- तीसरा, प्रसंस्करण शुल्क और उस पर लगने वाले कर कितने हैं।
- चौथा, समय से पहले किस्त बंद करने पर कोई शुल्क लगेगा या नहीं।
- पांचवां, देर से भुगतान की स्थिति में कितना अतिरिक्त खर्च हो सकता है।

‘नो-कॉस्ट’ नहीं, कुल लागत देखें

नो-कॉस्ट ईएमआई खराब विकल्प नहीं है, लेकिन इसे तभी चुनना समझदार है जब सामान की जरूरत हो, कुल लागत स्पष्ट हो और किस्त आपको आर्थिक क्षमता के भीतर हो। आसान किस्त देखकर नहीं, पूरी कीमत देखकर फैसला करें।

त्योहारी ऑफरों में ‘नो-कॉस्ट ईएमआई’ देखकर न बहकें, वरना जेब होगी खाली

त्योहारों पर आसान किस्त और छूट के प्रस्ताव बढ़ेंगे

बिजनेस डेस्क

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही बाजार और ऑनलाइन खरीदारी में पार तरह-तरह के आकर्षक ऑफर आने लगते हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन से लेकर फर्नीचर और दूसरे महंगे सामान पर भारी छूट के साथ आसान मासिक किस्तों के प्रस्ताव ग्राहकों को खरीदारी के लिए आकर्षित करते हैं। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई या बिना ब्याज वाली किस्त का प्रस्ताव सबसे ज्यादा लुभाता है। ग्राहक को लगता है कि महंगा सामान बिना अतिरिक्त ब्याज के छोटे-छोटे भुगतानों में खरीदा जा सकता है। लेकिन त्योहारों की खरीदारी में इस तरह के प्रस्ताव को देखकर तुरंत फैसला करना समझदारी नहीं है। नो-कॉस्ट का मतलब यह जरूरी नहीं कि खरीदारी से जुड़ी कोई लागत ही नहीं होगी। कई मामलों में प्रसंस्करण शुल्क, कर, छूटी हुई तत्काल छूट, समय से पहले कर्ज बंद करने का शुल्क या देर से भुगतान का जुर्माना ग्राहक की कुल लागत बढ़ा सकता है। अलग-अलग बैंक और ऋणदाता अपनी अलग शर्तें रखते हैं। मसलन, 2026 में बैंकों की प्रकाशित शुल्क तालिकाओं में किस्त सुविधा के लिए प्रसंस्करण शुल्क और समयपूर्व भुगतान शुल्क के अलग-अलग प्रावधान दिखाई देते हैं। इसलिए इस त्योहारी मौसम में खरीदारी से पहले केवल मासिक किस्त नहीं, बल्कि कुल भुगतान पर नजर रखना जरूरी है।

पहले तय करें, सामान की जरूरत है या नहीं

त्योहारों में सबसे बड़ी गलती यही होती है कि ग्राहक जरूरत से ज्यादा खरीदारी कर लेता है। इतनी बड़ी छूट दोबारा नहीं मिलेगी या इतनी कम किस्त में सामान मिल रहा है जैसी सोच खरीदारी का फैसला प्रभावित कर सकती है। इससे बचने का आसान तरीका है कि बाजार जाने या ऑनलाइन खरीदारी शुरू करने से पहले जरूरी सामान की सूची बना लें। जो सामान पहले से खरीदने की योजना में नहीं था, उसे केवल छूट या किस्त के प्रस्ताव के कारण खरीदने से बचें। याद रखें, जिस सामान की जरूरत नहीं है, उस पर मिलने वाली बड़ी छूट भी वास्तव में बचत नहीं है। उल्टा, उसकी मासिक किस्त आपको आने वाले महीनों के बजट को प्रभावित कर सकती है।

‘नो-कॉस्ट’ का मतलब पूरी तरह मुफ्त नहीं

नो-कॉस्ट ईएमआई में आमतौर पर सामान की कीमत को कई मासिक किस्तों में बांट दिया जाता है और ब्याज की राशि को थिकेता की ओर से दी जाने वाली छूट के माध्यम से समायोजित किया जा सकता है। इसलिए ग्राहक को अलग से ब्याज चुकाने का बोझ दिखाई नहीं देता। लेकिन यहाँ एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है। ब्याज का समायोजन हो जाने के बाद भी प्रसंस्करण शुल्क या अन्य शुल्क लागू हो सकते हैं। इसलिए केवल 'बिना ब्याज' लिखा देखकर यह मान लेना सही नहीं है कि ग्राहक को कोई अतिरिक्त रकम नहीं देनी होगी। उदाहरण के लिए, कुछ बैंकों की मौजूदा शुल्क तालिकाओं में किस्त सुविधा पर लेनदेन राशि के आधार पर प्रसंस्करण शुल्क और समय से पहले किस्त बंद करने पर अलग शुल्क का प्रावधान है।

नकद व किस्त वाली कीमत की तुलना करें

त्योहारी खरीदारी में ग्राहक को सबसे पहले सामान की वास्तविक नकद कीमत और किस्त योजना में चुकाई जाने वाली कुल रकम की तुलना करनी चाहिए। मान लीजिए किसी सामान की कीमत एक लाख रुपये है। दुकान पर उसे 12 महीनों की किस्त में खरीदने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। मासिक किस्त देखकर यह तय न करें कि सौदा सरता है। सभी किस्तों को जोड़ें और उसमें प्रसंस्करण शुल्क, कर तथा अन्य लागू खर्च शामिल करें। देखें कि कुल भुगतान कितना हो रहा है। यदि सामान पर बिना किस्त भुगतान पर अलग छूट मिल रही है तो उस छूट को भी तुलना में शामिल करें। कई बार किस्त के लालच में तत्काल भुगतान पर मिलने वाली छूट छोड़ देता है।

हिमालय पर बढ़ता दबाव आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का भयानक मंजर देखने को मिलता है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही मीड़ जाए, जितनी वह आसानी से सहन कर सके। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

फड़फड़ाने लगा है भोले का तीसरा नेत्र

विश्लेषण
डॉ. चन्द्र मिश्रा
वरिष्ठ स्तंभकार

हिमालय साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि अगर हमने विकास के नाम पर उसकी अस्मिता से, उसकी पहचान से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो पूरे परिवेश के लिए भयावह त्रासदियों से भुक्ति का प्रश्न ही नहीं उठता। पुल बनाने, रेल मार्ग बिछाने, पर्यटन के ना-नाए आयाम एवं नई-नई संभावनाएं तलाश करने के लोभ में हमने निरंतर हिमालय की पहचान पर संकट खड़े किए हैं। चीन को सीमा क्षेत्रों में नए रेलमार्ग बिछाने, नए पुल बनाने, हवाई पट्टियां बनाने की कोई विशेष आवश्यकता नहीं थी। सिर्फ सीमा-सुरक्षा के नाम पर पहाड़ों को चाव देने की कोई ऐसी जरूरत नहीं थी जिसके लिए डायनामाइट एवं बारूदी सुरंगों के जाल बिछाए जाते। चीन की सीमावर्ती-चुनौतियों का सामना करने के लिए उसी क्षेत्र में सड़कों, रेलों व अन्य यातायात साधनों के जाल बिछाने की आपातकालीन जरूरत हमें भी महसूस होने लगी। स्थितियां इतनी भयावह हो चुकी हैं कि तथ्यों का सही-सही आकलन कर पाना भी संभव नहीं रहा। चेतावनियां पिछले साढ़े तीन दशकों से चेता रही हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखण्ड के मालया क्षेत्र में हुई तबाही, वर्ष 2000 में तिब्बत में आई विनाशकारी बाढ़, वर्ष 2005 में पाश्च्य-नदी की विभीषिका, जून 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की चमेली त्रासदी, इन सबकी खुली अपेक्षा करते हुए चीन, नेपाल, भारत और तिब्बत आदि में बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती रही। अब नई सूचना यह है कि 189 नई झीलें बन चुकी हैं। स्थिति यह है कि अब तिब्बत-नेपाल क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में झीलें बन चुकी हैं। सभी में ग्लेशियरों के पिघलाव का जल ठाठें मारने लगा है। एक झील में आए प्रकोप ने इतना हिला दिया तो आने वाले ऐसे अनेक संकटों का सामना कैसे होगा, इसके लिए सांझा प्रयास करने की दिशा में सोचा भी नहीं जा रहा है। अभी तो लाशें ढोने, घायलों को बचाने, लापता लोगों की तलाश करने से भी फुर्सत नहीं मिल पा रही।

विकास की अंधी दौड़
जब अमरनाथ का शिवलिंग पिघलने लगा तो कैलाश पर विराजमान भोले शंकर का भी तीसरा नेत्र फड़फड़ाने लगा, इधर नेपाल में विराजे भोले पाशुपतिनाथ भी नाराज होने लगे। सवाल यह है कि इस प्रकोप से बचा कैसे जाए? हिमालय केवल पथरों और बर्फ से बना कोई निर्जीव ढांचा नहीं है, बल्कि यह इस उपमहाद्वीप की धड़कन है। सदियों से यह हमारा रक्षक रहा है, जीवनदायिनी नदियों का उद्गम और हमारी आस्थाओं का केंद्र रहा है।आज आए दिन पहाड़ों के दरकों, बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ की खबरें हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। प्रकृति का यह रौद्र रूप अकारण नहीं है। सच तो यह है कि हमने अपने ही रक्षक पर इतना भार लाद दिया है कि अब वह हाफने लगा है। हिमालय पर बढ़ता यह दबाव अब सीधे तौर पर विनाशकारी आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। अगर हम गहराई से सोचें तो समझ आएगा कि पहाड़ों के साथ हमारा रिश्ता अब श्रद्धा का नहीं बल्कि उपभोग का हो गया है। विकास की अंधी दौड़ में हमने यह भुला दिया कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। जब हम इन नाजुक पहाड़ों का सीना चौरकर चौड़ी सड़कें बनाते हैं, रेलवे के लिए लंबी सुरंगें खोदते हैं और बिजली के लिए विशालकाय बांध बनाते हैं तो हम अनजाने में पहाड़ की नींव को खोखला कर रहे होते हैं।

विकास का अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत
हमने उस पारंपरिक ज्ञान को पिछड़ापन मानकर खारिज कर दिया और कंक्रीट के उस विकास को अपना लिया जो मैदानी इलाकों के लिए बना था। पहाड़ों की अपनी एक अलग तासीर होती है जिसे समझे बिना वहां किसी भी तरह का निर्माण सीधा मौत को बुलावा देना है। हमें यह समझना होगा कि हम प्रकृति से लड़कर कभी जीत नहीं सकते। विकास जरूरी है, इसमें कोई संदेह नहीं है क्योंकि पहाड़ों के लोगों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर चाहिए। लेकिन यह विकास विनाश की शत पर कतई नहीं होना चाहिए। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही मीड़ जाए जितनी वह आसानी से सहन कर सके। ईको टूरिज्म को बढ़ावा देना होगा

हमने उस पारंपरिक ज्ञान को पिछड़ापन मानकर खारिज कर दिया और कंक्रीट के उस विकास को अपना लिया जो मैदानी इलाकों के लिए बना था। पहाड़ों की अपनी एक अलग तासीर होती है जिसे समझे बिना वहां किसी भी तरह का निर्माण सीधा मौत को बुलावा देना है। हमें यह समझना होगा कि हम प्रकृति से लड़कर कभी जीत नहीं सकते। विकास जरूरी है, इसमें कोई संदेह नहीं है क्योंकि पहाड़ों के लोगों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर चाहिए। लेकिन यह विकास विनाश की शत पर कतई नहीं होना चाहिए। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही मीड़ जाए जितनी वह आसानी से सहन कर सके। ईको टूरिज्म को बढ़ावा देना होगा

हिमालय के पिघलते ग्लेशियर
जहां पर्यटक प्रकृति का सम्मान करना सीखें। जब हम पहाड़ पर जाते हैं तो हमें एक विनम्र मेहमान की तरह बर्ताव करना चाहिए, न कि किसी मालिक या विजेता की तरह। अगर हमने समय रहते हिमालय की चौख को अनुसूना करना बंद नहीं किया और उस पर यह अनियंत्रित दबाव कम नहीं किया तो आने वाले समय में ये प्राकृतिक आपदाएं और भी भयावह रूप ले लेंगी। हिमालय को बचाना सिर्फ बर्फ के एक पहाड़ को बचाना नहीं है बल्कि यह अपनी जीवनदायिनी नदियों, अपनी जलवायु और अंततः अपने खुद के अस्तित्व को बचाने की अंतिम लड़ाई है। हमें पहाड़ों के मिजाज को समझना होगा। हमें यह संकल्प लेना ही होगा कि हम विकास की राह पर जरूर चलेंगे लेकिन प्रकृति का हाथ पकड़कर, उसकी छाती पर पैर रखकर नहीं।

पर्यावरण के अनुकूल तकनीक अपनाएं

मंथन
दिनेश शर्मा 'दिनेश'
वरिष्ठ स्तंभकार

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है, किंतु समय के साथ मनुष्य की बदलती जीवन शैली से बदली प्राकृतिक परिस्थितियों से यह रिश्ता एक नाजुक मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है। आज मानव और प्रकृति दोनों का ही अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में हमने अनेक भयानक प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यह कोई कुदरती कहर नहीं है बल्कि प्रकृति की गंभीर चेतावनी है जो हमें चीख-चीख कर कह रही है कि अब रुक जाओ! इन बढ़ती आपदाओं के पीछे का सबसे बड़ा कारण हमारा अंधा और अनियंत्रित विकास है, जिसने पर्यावरण की कीमत पर सिर्फ कंक्रीट के जंगल खड़े किए हैं। आज समूची मानव जाति के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर विकास और पर्यावरण के बीच एक स्थायी संतुलन कैसे कायम किया जाए।

हम समय के पहिए को नहीं रोक सकते और न ही विकास की प्रक्रिया से मुंठ मोड़ सकते हैं। बढ़ती आबादी के लिए घर, स्कूल, अस्पताल, चौड़ी सड़कें, नदियों के स्वाभाविक रास्तों को रोककर ऊंचे बांध बनाते हैं या हरे-भरे जंगलों को रातों-रात साफ करके कारखाने लगाते हैं तो हम अनजाने में ही अपने विनाश की कहानी लिख रहे होते हैं। विकास का मतलब कभी भी विनाश नहीं हो सकता। हम एक पेड़ काटते हैं तो सिर्फ लकड़ी का एक टुकड़ा नहीं गिरता, बल्कि बेजुबान पक्षियों का घर उजड़ता है, शीतल छांव खत्म होती है और वह जड़ें मर जाती हैं जो मिट्टी को कसकर बांधे रखती हैं। परिणामस्वरूप जरा-सी



हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है, जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गुंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो।

इसे विज्ञान की भाषा में पर्यावरण की वहन क्षमता कहते हैं। अगर किसी पहाड़ या जंगल की क्षमता सी लोगों का बोझ उठाने की है और हम अपने लालच में वहां हजार लोगों के लिए बड़े-बड़े होटल और सड़कें बना दें तो कुदरत का संतुलन बिगड़ना और आपदा आना तय है।

हमें पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरणतया, भवन निर्माण में ऐसी सामग्री का उपयोग हो जो कम से कम कार्बन उत्सर्जन करे और ऊर्जा की अधिकतम बचत करे। हमें कोयले और पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता तेजी से कम करनी

होगी। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर हम हवा में घुलने वाले जल को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इसके साथ ही नदियों को बांधने और उनके रास्ते बदलने के बजाय हमें जल संरक्षण के पारंपरिक और प्राकृतिक तरीकों की ओर लौटना होगा। प्राकृतिक जंगलों को बचाना संतुलन का सबसे अहम और जीवंत हिस्सा है।

विकास की नीति वातानुकूलित कमरों में बैठकर सिर्फ नक्शों पर नहीं बननी चाहिए, बल्कि उन लोगों से संवाद करके बननी चाहिए जो

नियोजित रूप से किया जाए शहरीकरण

स्वरूप
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

शहर केवल इमारतों, सड़कों और बाजारों का समूह नहीं होते, वे किसी देश की आर्थिक गति, सामाजिक परिवर्तन और आधुनिक जीवन की आकांक्षाओं के केंद्र होते हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर सुविधाओं की तलाश में निरंतर बढ़ती आबादी शहरों की ओर आकर्षित हो रही है। परिणामस्वरूप शहरीकरण आज विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया बन चुका है। समस्या शहरीकरण से नहीं, बल्कि अनियोजित और प्रकृति-विरोधी शहरीकरण से है। जब शहर अपनी भौगोलिक और पर्यावरणीय क्षमता की अनदेखी कर फैलने लगते हैं, जलाशयों पर निर्माण होने लगता है, हरित क्षेत्र कंक्र्रीट में बदल जाते हैं और आबादी के अनुपात में नागरिक सुविधाएं विकसित नहीं होतीं, तब विकास स्वयं संकट का कारण बनने लगता है। भारत के कई बड़े शहर इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। देश के प्रमुख कॉर्पोरेट केंद्रों में गिना जाने वाला गुरुग्राम अत्याधुनिक कार्यालयों, गगनचुंबी इमारतों और एक्सप्रेस-वे के कारण आधुनिक शहरी विकास का चेहरा दिखाई देता है, लेकिन भारी वर्षा के दौरान सड़कों और अंडरपासों में जलभराव उसकी दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह विरोधाभास बताता है कि चमकदार निर्माण और वास्तविक शहरी मजबूती दो अलग-अलग बातें हैं। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है। यही स्थिति अलग-अलग रूपों में दूसरे महानगरों में भी सामने आती रही है। मुंबई ने बार-बार भीषण वर्षा और शहरी बाढ़ का सामना किया है। समुद्र तटीय स्थिति, अत्यधिक वर्षा और घनी आबादी के साथ प्राकृतिक जल निकासी तंत्र पर दबाव इस महानगर की संवेदनशीलता बढ़ाता है। इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक शहरी बाढ़ केवल अतिरिक्त मन या खराब कानूनों का परिणाम

प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना जरूरी

चुनौती
डॉ. विजेंद्र कुमार
स्वतंत्र स्तंभकार

जलवायु परिवर्तन की समस्या एक गंभीर वैश्विक संकट है। यह संकट अभी हमें चाहे ना दिखाई दे लेकिन मानव सभ्यता के लिए यह एक गंभीर चुनौती है। प्रकृति हमेशा से मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र और पालक रही है, लेकिन हाल के वर्षों में हमने इसका रौद्र रूप भी बार-बार देखा है। कभी जंगलों में धक्कती आग बेजुबान जानवरों को लील जाती है तो कभी समुद्र में उठने वाले भयंकर तूफान पल भर में तटीय बस्तियों को उजाड़ देते हैं। यह सब देखकर मन में एक सहज सा सवाल उठता है कि क्या यह सब बस यूं ही हो रहा है या इसके पीछे हमारी अपनी कोई भूल है। इससे भी बड़ा यह सवाल मन में बार-बार उठता है कि क्या जलवायु परिवर्तन आने वाले समय में हमारे लिए इससे भी बड़ी और भयंकर विपत्तियां ला सकता है। इस सवाल का जवाब ढूंढने के लिए हमें भविष्य के किसी वैज्ञानिक मॉडल को देखने या बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। हमारे आसपास का बदलता हुआ मौसम खुद इसका जीता जागता गवाह है। जिस जलवायु परिवर्तन को हम कुछ दशक पहले सिर्फ विज्ञान की भारी-भरकम किताबों या वैश्विक सम्मेलनों का विषय मानते थे, वह आज हमारे घर के दरवाजे तक दरकर दे चुका है। भौगोलिक की भारी बारिश, सर्दियों के महीनों में कम होती ठंड, और गर्मियों में झुलसा देने वाली लंबी लू ये सब प्रकृति की खुली चेतावनी है। जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। वैज्ञानिक लगातार पूरी दुनिया को चेता रहे हैं कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है। हमारे द्वारा किए जा रहे अंधधुंध औद्योगीकरण, बेतहाशा जंगलों की कटाई, पहाड़ों के सीने को चौरकर किए जा रहे अनियोजित निर्माण और लगातार बढ़ते कार्बन उत्सर्जन ने धरती के प्राकृतिक संतुलन को बुरी तरह से बिगाड़ दिया है। अगर यही स्थिति बनी रही तो इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाला समय वाकई बहुत डरावना होगा। जैसे-जैसे पृथ्वी और गर्म होगी, ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघलेंगे और समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। इसका सीधा मतलब यह है कि दुनिया भर के कई तटीय शहर, महानगर और छोटे-छोटे द्वीप हमेशा के लिए पानी में समा सकते हैं। जरा सोचिए, जब लाखों-करोड़ों लोग एक साथ बेघर होंगे तो उन्हें हम कहां बसाएंगे। आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और उनकी संख्या दोनों में बेतहाशा वृद्धि होने की पूरी आशंका है जो चकवती तूफान पहले दस या बीस सालों में एक बार आते थे, वे अब हर साल और भी ज्यादा ताकतवर होकर तटों से टकरा सकते हैं। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण शुष्क-आर्द्र में तो नदियों में भयानक बाढ़ आएंगी, जो अपने रास्ते में आने वाले हर गांव और शहर को डुबो देगी, लेकिन बाद में जब ये बर्फ के पहाड़ पूरी तरह खरम हो जाएंगे तो वही खसानीरा नदियां सूख जाएंगी। इससे पाने के पानी और सिंचाई के लिए एक ऐसा भयंकर संकट खड़ा होगा जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरण का या विज्ञान का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुत बड़ा मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट है। जब एक जगह का तापमान बढ़ता है तो उसका अरर पूरी दुनिया के मौसम चक्र पर पड़ता है। यह एक भयंकर चेन रिएक्शन की तरह है। जंगलों में लगने वाली भीषण आग की घटनाएं इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। जब जंगल जलते हैं तो न सिर्फ लाखों बेजुबान जानवर तड़प-तड़प कर मारे जाते हैं, पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं, बल्कि भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वापस वातावरण में मूल जाती है, जो धरती की गर्मी को और ज्यादा बढ़ा देती है। इसी तरह, आर्कटिक जैसे ठंडे इलाकों में सदियों से जमी हुई बर्फ के पिघलने से वहां दबी हुई भीषण जैसी खतरनाक नदें बाहर आ सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो ग्लोबल वार्मिंग इतनी तेजी से बढ़ेगी कि उसे रोकना फिर इंसान की तकनीक और वश के बाहर हो जाएगा। हमारे देश के लिए तो यह खतरा और भी बड़ा है। एक तरफ हमारे पास विशाल हिमालय है तो दूसरी तरफ एक बहुत लंबी तटरेखा। अगर जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून का चक्र इसी तरह बिगड़ता रहा, कभी बहुत ज्यादा बारिश या कभी बिल्कुल सूखा पड़ा तो हमारी खाद्य सुरक्षा और भी खतरा होगा। पहाड़ जो कभी अपनी स्थिरता के लिए जाने जाते थे, वे आज दरक रहे हैं। हमने अपने स्वयं में अंधी दौड़ लगाते हुए प्रकृति को बहुत गहरे घाव दिए हैं, लेकिन प्रकृति एक मां की तरह है, जिसमें खुद को और अपने बच्चों को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है, बशर्ते हम उसे बचा करने का मौका और समय दें। हमें एक ऐसा रास्ता चुनना होगा जिसमें तरकीबें तो हों, लेकिन जंगलों और नदियों की बलि देकर नहीं। जलवायु परिवर्तन कोई ऐसी आसमानी आपदा नहीं है जो किसी दूसरे गह से अचानक हमारे ऊपर आ गिरी हो। यह हमारी अपनी पैदा की हुई विपत्ति है। इसलिए इसका समाधान भी हमें ही करना होगा। हम आज जाग जायें, अपने लालच को किनारे रखकर प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना सीख लें तो शायद हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, हरी-भरी और खुसूरूर दुनिया सौंप सकें।

विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।
होट वेव गंभीर संकट बन जाती है। अर्थात एक ही शहर को बाढ़ और भीषण गर्मी दो विपरीत प्रकार की जलवायु आपदाओं के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। इसलिए अब शहरी आपदा प्रबंधन किसी एक संभावित संकट के आधार पर नहीं, बल्कि बहु-आपदा दृष्टिकोण से तैयार किया जाना चाहिए। बढ़ता शहरी तापमान स्वयं एक गंभीर चुनौती है। हरित क्षेत्रों में गिरावट, एयर कंडीशनरों का बढ़ता इस्तेमाल और वाहनों तथा उद्योगों से निकलने वाली ठंडा ऊष्मा स्थिति को और गंभीर बनाती है। पहाड़ी शहरों की चुनौती इसमें अलग, लेकिन उतनी ही गंभीर है। जोशीमठ में भू-धंसाल

परिवर्तन और आपदा जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। भविष्य में आवश्यकता ऐसे शहर बनाने की है जो केवल बड़े और आधुनिक न दिखें, बल्कि सुरक्षित, समावेशी, पर्यावरण-संवेदी और आपदा-रोधी भी हों। विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि वह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के विरुद्ध नहीं, प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।

सोनिया की आत्मकथा 'बिलॉनिंग' पर छिड़ा सियासी संग्राम

एजेसी ►►नई दिल्ली

कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया पर सोनिया गांधी के संस्मरण को प्रकाशित नहीं करने के लिए दबाव डाला गया है।

इस आरोप के बाद सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉनिंग: ए जर्नी ऑफ लव' का

प्रकाशक नहीं है। यह बयान अमेरिकी प्रकाशक अलेफ्रेड ए. नॉफ की ओर से किताब को 10 नवंबर को प्रकाशित करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आया।

प्रकाशक ने कहा कि लेखकों की सामग्री की तथ्य-जांच करना उसका अधिकार और जिम्मेदारी है। यह बयान उन खबरों के बीच आया, जिनमें कहा गया था कि सोनिया गांधी द्वारा संपादकीय बदलावों को स्वीकार नहीं किए जाने के बाद प्रमुख प्रकाशक ने किताब प्रकाशित करने का फैसला वापस ले लिया।



पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया थी प्रकाशक

कांग्रेस ने साधा भाजपा आरएसएस पर निशाना

कांग्रेस के लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई ने पेंगुइन इंडिया के बयान की आलोचना की और इसे कमजोर बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, यह कितना कमजोर बयान है। पेंगुइन इंडिया 'एरजाम वॉरियर्स' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर

कई किताबें प्रकाशित करने में पूरी तरह खुश है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा सरकार में ऐसे लोग हैं, जो अब डर गए हैं कि भारत के लोग इस किताब को पढ़ेंगे।

भाजपा ने कहा

यह संस्मरण है या उसका सियासीकरण: नकवी

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोनिया गांधी की किताब पर जारी विवाद पर कहा कि यह लेखक और प्रकाशक के बीच का मामला है। वे तय करेंगे कि यह संस्मरण है या उसका सियासीकरण है। नकवी ने कहा कि यह सोनिया गांधी का

संस्मरण है या कल्पना है, ये तो लेखक और प्रकाशक के बीच की बात है।

कांग्रेस के ये प्रयास पाखंड से भरे: केसवन

भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता संस्मरण को लेकर 'डर की झूठी

कहानी गढ़ने और एक गलत धारणा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा के

राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केसवन ने कहा कि कांग्रेस के ये प्रयास सिर्फ विडंबना से ही नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से पाखंड से भी भरे हैं।

छापने से पहले बदलाव की क्या जरूरत: गहलोत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया से पूछा कि जब उसकी अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन इकाई इस संस्मरण की दुनिया भर में प्रकाशित कर रही है तो भारत में इसे प्रकाशित करने से उसे क्या रोक रहा है? पेंगुइन किताब को उसके मूल रूप में पूरी दुनिया में प्रकाशित करने के लिए तैयार है, लेकिन वह इसे भारत में प्रकाशित करने से पहले बदलाव चाहता है। क्या वजह है उसे भारत में प्रकाशित नहीं किया जा सकता? किताब को दबाव में दबाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की हत्या के समान है।

विपक्ष ने भी किया कांग्रेस का समर्थन

आत्मकथा को लेकर हुए विवाद पर सीपीआई(एम) संसद पी. संदीप कुमार ने कहा, लेखिका को अपने मन की बात लिखने का पूरा अधिकार है और यह एक तरह की आत्मकथा ही है। इसमें से कुछ अंश हटाने का कोई मतलब नहीं है। इसके पीछे क्या तक है? इसलिए हम इसका विरोध करते हैं। कई प्रकाशक हैं और मुझे उम्मीद है कि उनमें से कुछ इस जल्द ही प्रकाशित करेंगे।

खबर संक्षेप

एक्टर हाशमी हुए एवाएन1 के शिकार

मुंबई। आबारापन 2 स्टार इमरान हाशमी ने सोशल मीडिया पर अपनी हेल्थ अपडेट देते हुए फैस

को बताया कि उनकी तबीयत खराब है। रांची समेत कई जगहों की यात्रा करने के बाद कुछ दिनों से बीमार

चल रहे एक्टर इमरान को स्वाइन फ्लू हो गया है। शनिवार को उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर बताया कि वह इतने बीमार हैं।

12 अक्टूबर से होंगी पूर्व-बजट बैठकें नई दिल्ली।

केंद्र ने वित्त वर्ष केंद्रीय बजट की तैयारियां औपचारिक शुरू कर दी हैं। वित्त

मंत्रालय ने बजट प्रक्रिया के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश तय करते हुए बजट परिपत्र जारी कर दिया है। मंत्रालयों

और विभागों को वित्तीय वर्ष के लिए व्यय अनुमान और योजनागत आवश्यकताओं का विस्तृत ब्योरा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

जरांगे ने शुरू किया बेमियादी अनशन

छत्रपति संभाजीनगर। आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को बेमियादी भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने कहा मराठा समुदाय अब सरकार को और अधिक समय नहीं देगा तथा महाराष्ट्र सरकार सत्यापित किए गए 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड के आधार पर जाति प्रमाणपत्र जारी करे।

एनएचआरसी 2-3 को करेगा खुली सुनवाई

गांधीनगर। गुजरात में राज्य में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के मामलों की सुनवाई के लिए 2 दिनी 'खुली सुनवाई और शिविर बैठक' आयोजित कर रहा है। भारत के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रह्मण्यम और सदस्य न्यायमूर्ति (डॉ.) विद्युत रंजन सारंगी और और स्टैंड-अप कॉमिडियन शैरन वर्मा के बीच बातचीत के दौरान की

समय रैना का शो फिर विवादों में

बिहारी और कश्मीरी पंडितों का मजाक उड़ाने का लगा आरोप

एजेसी ►►मुंबई

कॉमेडियन समय रैना ने शुक्रवार को 'इंडियाज गॉट टैलेट' सीजन 2 का एक और एपिसोड रिलीज किया, जिसके कुछ हिस्से बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

यह एपिसोड बिहार के लोगों और कश्मीरी पंडितों के बारे में की गई कथित टिप्पणियों की वजह से चर्चा में आ गया है। ये टिप्पणियां रैना और स्टैंड-अप कॉमिडियन शैरन वर्मा के बीच बातचीत के दौरान की

गई थीं। उन्होंने कहा, वह बिहार से हैं। वह इतनी बिहारी हैं कि उन्हें लगता है 'इबोला' का मतलब है कि

किसी ने कुछ कहा है। शैरन ने समय के कश्मीरी जड़ों पर मजाक करते हुए जवाब दिया, समय इतने कश्मीरी हैं कि उन्हें 'स्टोन' होना

(नशे में धुत होना) पसंद है। शैरन वर्मा एक बिहारी हैं जो नौकरी की तलाश में मुंबई आईं। बस बिहारी वाली बातें शैरन ने कहा, कम से कम, मैंने अपनी गर्जी से अपना राज्य छोड़ा।



कर्नाटक में मंत्री का इस्तीफा, भाजपा बोली

अनियमितता में आत्महत्या के दलित अधिकारी को न्याय मिले

एजेसी ►►बेंगलुरु

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने शनिवार को कांग्रेस के उन आरोपों का जवाब दिया, जिनमें कहा गया था कि भाजपा दलित

नेता और योजना एवं सांख्यिकी विभाग के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को निशाना बना रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कथित अनियमितताओं के सिलसिले में आत्महत्या करने वाले दलित



अधिकारी को न्याय नहीं मिलना चाहिए था। अशोक ने कहा कि अधिकारी चंद्रशेखर का परिवार न्याय की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आया है। नागेंद्र के साथ कथित अन्याय पर तो चिंता जता रहे हैं, लेकिन मृतक अधिकारी और उनके परिवार की हालत को नजरअंदाज कर रहे हैं। नागेंद्र का इस्तीफा मंजूर नहीं किया जाना चाहिए, जबकि चंद्रशेखर जैसे दलित अधिकारी की आत्महत्या से मौत हो सकती है।

दिल्ली के सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया की हुई थी शिकायत

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने तीन सांसदों को लगाई फटकार, सज्जन के घर जाकर जताया था शोक

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के घर शोक जताने पहुंचे भाजपा के तीन सांसदों को लेकर सिख संगठनों ने आपत्ति जताई है। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली के इन तीनों सांसदों को फटकार लगाई है। पंजाब में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी भाजपा के लिए यह कदम बड़ा झटका माना जा रहा है। विरोधियों को पंजाब में भाजपा के

खिलाफ राजनीतिक मुद्दा बनाने का मौका मिल सकता था। विशेषतौर पर आम आदमी पार्टी पंजाब चुनाव में इसे लेकर भाजपा को कठघरे में खड़ा कर सकती है। गौरतलब है कि पिछले दिनों सज्जन कुमार का निधन हो गया था। इसके बाद सांसद दीपेंद्र हुड्डा के शोक संदेश को लेकर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। हुड्डा पर निशाना साधते हुए भाजपा ने इस 1984 के सिख पीड़ितों के घावों पर नमक छिड़कना बताया था।

सिख संगठनों ने आपत्ति जताई

ये मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि सज्जन कुमार की मृत्यु पर शोक जताने के लिए भाजपा के तीन सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया ने सज्जन कुमार के आवास पर गए थे। इसके बाद सिख संगठनों ने इस मुद्दे पर कठोर शब्दों में आपत्ति जतानी शुरू कर दी थी। सिख संगठनों ने भाजपा हाईकमान से इसकी शिकायत भी की। सज्जन कुमार का 20 अगस्त को निधन हो गया था।

सीजेपी के दीपके का केंद्र सरकार से सवाल

सरकारी स्कूल की रसोई में एक्सपायर्ड मसाला मिलने का दावा, वीडियो दिखाया

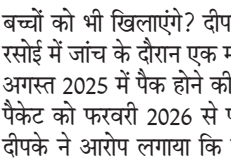
पैकेट की तारीख दिखाते हुए सवाल किए

साझा किए गए वीडियो में अभिजीत दीपके स्कूल की रसोई का निरीक्षण करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान वे मसाले के पैकेट की तारीख दिखाते हुए सवाल उठाते हैं। उन्होंने दावा किया कि यह खाद्य सामग्री इस्तेमाल की निर्धारित अवधि पार कर चुकी थी। दीपके ने अपने पोस्ट में कहा कि ग्रामीण भारत के बच्चों को एक्सपायर्ड खाना दिया जा रहा है। उन्होंने उठाने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाती है, तो भी वे कथित सच्चाई को सामने लाना बंद नहीं करेंगे।

सत्ता में बैठे लोग ऐसा खाना अपने बच्चों को भी खिलाएंगे?

एजेसी ►►मुंबई

कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शनिवार को एक सरकारी स्कूल की रसोई का वीडियो साझा कर बच्चों को कथित तौर पर एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री दिए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पोस्ट में सरकार से सवाल किया कि क्या सत्ता में बैठे लोग ऐसा खाना अपने



बच्चों को भी खिलाएंगे? दीपके ने दावा किया कि स्कूल की रसोई में जांच के दौरान एक मसाले का पैकेट मिला, जिस पर अगस्त 2025 में पैक होने की तारीख थी। उनके अनुसार इस पैकेट को फरवरी 2026 से पहले इस्तेमाल किया जाना था। दीपके ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद ऐसी सामग्री का इस्तेमाल ग्रामीण इलाकों के बच्चों के भोजन में किया जा रहा है।

दलितों के साथ आज भी हो रहा है भेदभाव

राहुल ने कहा कि दशकों तक दलितों के साथ अत्याचार हुआ जो आज तक खत्म नहीं हो सका है। राहुल ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि दशकों तक दलितों के साथ भेदभाव होता रहा है और आज भी हो रहा है। चाय की दुकान पर दलितों के लिए अलग कप रखा जाता है और अमी भी शायी में दलितों को योड़े पर चढ़ने पर पीटा जाता है। स्कूलों में दलितों से सफाई कराई जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा दलितों को आगे बढ़ते हुए देख नहीं पाती है। उन्होंने कहा कि जितना सफल दलित होता है, उतना बड़ा प्रहार किया जाता है। उन्होंने कहा कि आपने कुछ दिन पहले देखा होगा कि 8 अगस्त 2026 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हल्लानी के रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया था। इसके दो दिन बाद, श्री राम सेना के सदस्यों ने कथित तौर पर उसी स्थान पर 'शुद्धिकरण हवन' किया। राहुल ने कहा कि शुद्धिकरण करने वालों पर एफआईआर होनी चाहिए।

विपक्ष के नेता ने दलितों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया

एजेसी ►►नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा और आरएसएस पर बड़ा हमला बोला है। राहुल ने कहा है कि देश में आज भी दो वि चार धा राओं संविधान और आरएसएस की विचारधारा की लड़ाई है। राहुल ने देश में दलितों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया और दावा किया कि देश में करोड़ों दलितों के साथ आज भी



चलिए। शुद्धिकरण असल में छुआछूत का ही दूसरा रूप है। यह गैरकानूनी है, लेकिन भाजपा के लोग इसे खुलेआम करते हैं।

अत्याच हो रहा है। राहुल ने कहा कि भारत का संविधान डॉ. भीमराव आंबेडकर, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है। देश में मौजूदा राजनीतिक संघर्ष को इसी वैचारिक टकराव के रूप में देखा जाना चाहिए। शुद्धिकरण असल में छुआछूत का ही दूसरा रूप है। यह गैरकानूनी है, लेकिन भाजपा के लोग इसे खुलेआम करते हैं।



नेपाल में आई बाढ़ से घड़िंग गांव में मची तबाही का मंजर

नेपाल बाढ़ अब तक 675 लोगों की मौत, 2400 से ज्यादा लापता त्रासदी राहत-बचाव अभियान जारी, भारतीय मदद को सराहा



11 सदस्यीय भारतीय दल काटमांडू पहुंचा

एजेंसी ►►काठमांडू

नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 675 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2400 से ज्यादा हो गया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि देश की तत्काल प्राथमिकता लापता लोगों का पता लगाना और उन्हें तत्काल राहत प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि 187 विदेशी नागरिकों सहित 4,451 लोगों को बचाया जा चुका है। फिर से बाढ़ आने की संभावनाओं और चिंताओं को देखते हुए खनाल ने कहा कि जोखिम पर नजर रखी जा रही है और क्षेत्र 'उच्च सतर्कता' पर हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने का एकमात्र तरीका हेलिकॉप्टर है। कुछ भूभाग 'दलदली' होने से हेलिकॉप्टर वहां उतर नहीं सकते।

नेपाल के विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि देश की तत्काल प्राथमिकता लापता लोगों का पता लगाना और उन्हें तत्काल राहत प्रदान करना है। फिर से बाढ़ आने की संभावनाओं और चिंताओं को देखते हुए जोखिम पर नजर रखी जा रही है और क्षेत्र 'उच्च सतर्कता' पर हैं

►► **अज्ञात शवों की पहचान के लिए डीएनए सुरक्षित रख रही नेपाल सरकार**

►► **भारत ने सहायता के लिए 11 सदस्यीय बचाव दल भेजा**

नेपाल के राष्ट्रपति ने मदद के लिए जताया आभार

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने हाल की आपदा के दौरान भारत की मदद और एकजुटता के लिए राष्ट्रपति दौड़ती मुर्मु और भारत सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि नेपाल

सरकार और जनता की ओर से वह राष्ट्रपति मुर्मु की चिंता और भारत की ओर से दी गई उदार सहायता के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। पौडेल ने 26 अगस्त 2026 की आपदा में भारतीय नागरिकों की मौत पर भी दुःख जताया। उन्होंने भारत सरकार और भारतीय जनता के प्रति गहरी राहत-बचाव अभियान में मदद पहुंचाने के लिए हुए कहा कि इस त्रासदी में जान गवाने वाले भारतीयों का दुःख नेपाल भी महसूस करता है।

275 भारतीय लापता, 108 बचाए गए नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि नेपाल में 108 भारतीय नागरिक बचाए गए हैं। 50 भारतीय नागरिकों से फिर से संपर्क हो गया है। 598 भारतीय नागरिक चीन से नेपाल सुरक्षित पहुंच गए हैं। 900 भारतीय नागरिक अभी चीन में हैं जिन्हें वहां से निकलना है। 275 भारत नागरिक लापता हैं। भारतीय मूल के 128 लोग अभी भी लापता हैं। रसुवा जिले में त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में काम करने वाले 4 भारतीय श्रमिकों (रिपु कुमार, चनेश्वर नारजरी, कृपाशंकर और मोहम्मद मिन्हाजुद्दीन) को सुरक्षित बचा लिया गया है। नेपाल में जारी राहत-बचाव अभियान में मदद पहुंचाने के लिए गई 11 सदस्यीय सुरंग सहायता टीम ने अपने उपकरणों के साथ जमीनी स्तर पर अपने कार्य की शुरुआत कर दी है। नई दिल्ली से नेपाल की अब तक 57 टन राहत सामग्री की खेप मिली है।



229 शवों की नहीं हो सकी पहचान नेपाल के दक्षिणी मध्य तराई क्षेत्र के तितवन जिले में स्वास्थ्य संस्थानों और नदी तटों से एकत्र किए गए शव/ अवशेष सड़ने की अवस्था में हैं अब उनकी पहचान करना संभव नहीं है। शेष 229 शवों को हिरासत केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों में रखा जा रहा है, और डीएनए के नमूने अभी भी एकत्र किए जा रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ ने डेढ़ लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक ने टेड्रोस अदहानोम गेबरेयेसस ने बताया कि बाढ़ को लेकर अपनी मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत तत्काल 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है।

बाढ़ में बहकर आया बैंक लॉकर, नेपाल में लोगों ने निकाले 92.68 लाख, 29 गिरफ्तार

नेपाल में भीषण बाढ़ के बीच एक बैंक का लॉकर पानी में बहकर धादिंग पहुंच गया। लॉकर लोगों के हाथ लगा तो उन्होंने उसे तोड़ दिया। इसके अंदर रखी नकदी निकालने के दौरान 29 लोग पकड़े गए। पुलिस ने मौके से 92.68.505 रुपए बरामद किए हैं। बाढ़ की शुरुआत रसुवा क्षेत्रों में हुई। त्रिशूली नदी का बहाव तेज हो गया। इसी दौरान एक बैंक का लॉकर पानी के तेज बहाव में बह गया। लॉकर बहता हुआ धादिंग इलाके तक पहुंच गया। इसी दौरान सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की संयुक्त गश्ती टीम वहां पहुंच गई। संयुक्त टीम ने मौके पर कार्रवाई की और 29 सदियों को पकड़ लिया। पुलिस ने उनके पास से 9,268,505 नेपाली रुपए बरामद किए। भारतीय संख्या पद्धति में यह रकम 92,68,505 रुपए, यानी करीब 92.68 लाख नेपाली रुपए बैठती है।



19 अप्रैल 2024 27 अगस्त 2026

सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा मंजर

हिमालय में आई बाढ़ ने नेपाल-चीन बॉर्डर क्रॉसिंग का मिटा दिया नामोनिशान

नई सैटेलाइट तस्वीरों में नेपाल-चीन बॉर्डर पर हिमालय में अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही का मंजर देखने को मिला है। इन तस्वीरों से पता चलता है कि 26 अगस्त को चट्टान, बर्फ, कीचड़ और पानी के तेज बहाव के कारण रसुवागढ़ी क्रॉसिंग लगभग खत्म हो गई। कर्मशियल सैटेलाइट कंपनी वैटर ने हाई-रिजोल्यूशन वाली पहली और बाद की तस्वीरें जारी की हैं। इनमें 19 अप्रैल, 2024 की तस्वीर की तुलना की आपदा के एक दिन बाद, 27 अगस्त, 2026 की तस्वीर से की गई है। पहली तस्वीर में नदी के किनारे एक बड़ी कई मंजिला बॉर्डर सुविधा, सड़कें, पक्के इलाके और अन्य बुनियादी ढांचे दिखाई देते हैं।

बाढ़ के बाद घर, पुल बह गए, दब गए

बाढ़ के बाद की तस्वीर में, वह ज्यादातर ढांचा चट्टान, कीचड़ और मलबे के नीचे दब गया है। प्रभावित इलाके की अन्य सैटेलाइट तस्वीरों में घर, पुल और सड़कों व बुनियादी ढांचे के हिस्से या तो बह गए हैं या दब गए हैं। बाढ़ के बाद की तस्वीरों में रसुवागढ़ी में मुख्य कई मंजिला इमारत और आस-पास की सुविधाएं दिखाई नहीं दे रही थीं।

खबर संक्षेप

नीति आयोग के उपाध्यक्ष का सियाचिन दौरा

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने अपनी टीम के साथ



दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का दौरा किया। उन्होंने सियाचिन बेस कैंप का दौरा करने के साथ ही उत्तरी ग्लेशियर का हवाई निरीक्षण भी किया। नीति आयोग ने पोस्ट में लिखा, 'सियाचिन : सीमाओं पर साहस का साक्षी।' डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी ने रॉकक्लाफ ट्रेनिंग स्कूल का दौरा किया और सियाचिन वॉर मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

रूस का यूक्रेन पर हमला, 27 की मौत

कीव। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर बड़ा हमला किया है। इस हमले में यूक्रेन में 27 लोगों की मौत हुई है



और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। यह हमला राजधानी कीव के पास बुचा जिले में हुआ। रूस के इस हमले में 50 के करीब घर तबाह हुए हैं। हमले से बड़े पैमाने पर आग भी लगी, जिसकी चपेट में आकर कई घर और रेस्तारों को नुकसान हुआ है। हाल ही में रूस ने यूक्रेन के एक शॉपिंग मॉल पर हमले कर 16 लोगों की जान ली थी।

पीएम मोदी उज्बेकिस्तान पहुंचे, एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने किया स्वागत

व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्रों में आपसी सहयोग को और गहरा करेंगे

एजेंसी ►►ताशकंद

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार शाम को उज्बेकिस्तान पहुंचे। राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने एयरपोर्ट पर उनका गले लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। ताशकंद पहुंचने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क गए। यहां उन्होंने स्वतंत्रता स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव भी मौजूद रहे। पीएम दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल-स्तर की बातचीत करेंगे। उनका यह दौरा दो दिन का है।

इसके बाद 31 अगस्त को वह किर्गिस्तान दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान के लिए रवाना होने से पहले लिखा कि मैं 29 अगस्त से 1 सितंबर तक उज्बेकिस्तान और किर्गिज सीमा के करीब बसे सिकिकन राज्य से लगी चुंबी घाटी पर अधिकार से जुड़ा हुआ है। इस घाटी में पड़ने वाले डोकलाम पठार के इलाके पर चीन ने 1988 में ही कब्जा कर लिया था। 2017 में वह पठार के दक्षिणी क्षेत्र की तरफ विस्तार की सोच के साथ एक सड़क बनाने जा रहा था। जिसका भारत ने सख्त अंदाज में विरोध किया। 73 दिन बाद 28 अगस्त 2017 को भारत, चीन ने अपनी सेनाएं डोकलाम से वापस बुला ली।

पीएम मोदी भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल-स्तर की बातचीत करेंगे। उनका यह दौरा दो दिन का है

►►यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में श्रद्धांजलि अर्पित की
►►'विकसित भारत' और 'यांगी उज्बेकिस्तान' के साझा विजन पर भी चर्चा



उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ पीएम मोदी

पीएम मोदी चौथी बार पहुंचे हैं उज्बेकिस्तान

पीएम ने कहा कि मैं ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करूंगा, जो हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच के संबंधों का प्रतीक है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बताया पीएम मोदी का यह चौथा दौरा है। उन्होंने 2015 में उज्बेकिस्तान और और फिर 2016 और 2022 में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शामिल होने के लिए गए थे।

1 सितंबर को जाएंगे किर्गिज

पीएम मोदी एक सितंबर को किर्गिज का भी दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि किर्गिज के राष्ट्रपति सादिर झपारोव के निमंत्रण पर मैं 26वीं एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बिश्केक जाऊंगा। यह सम्मेलन इस महत्वपूर्ण संगठन के 25 साल पूरे होने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत 2017 से एससीओ का एक सक्रिय सदस्य रहा है। मैं सुरक्षा, संपर्क और अवसर पर आधारित इस क्षेत्र के लिए भारत के विजन को आगे बढ़ाने और आतंकवाद, अलगाववाद व चरमपंथ की बुराई से मुक्त क्षेत्र के लिए काम करने के लिए उत्सुक हूँ।

छटे 'वर्ल्ड नोमैड गेम्स' के उद्घाटन समारोह में होंगे शामिल

पीएम मोदी ने कहा कि मैं राष्ट्रपति झपारोव और एससीओ के अन्य नेताओं से मिलने और छठे 'वर्ल्ड नोमैड गेम्स' के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए भी उत्सुक हूँ। यह मध्य एशिया की समृद्ध जीवंत विरासत का उत्सव है, जिसका भारत बहुत सम्मान करता है। यह यात्रा मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगी, इस क्षेत्र के साथ हमारे सम्बन्धों को मजबूत करेगी और शांति, स्थिरता व समृद्धि की हमारी साझा कोशिशों को आगे बढ़ाएगी। ये वे मूल्य हैं जो दुनिया के साथ भारत के जुड़ाव के केंद्र में हैं।

31 अगस्त को एससीओ समिट को करेंगे संबोधित

पीएम मोदी 31 अगस्त को 26वीं एससीओ (शंघाई शिखर सम्मेलन) समिट में शामिल होने के लिए बिश्केक जाएंगे। यह एससीओ की 25वीं वर्षगांठ है। इस साल का थीम है 'एससीओ के 25 साल टिकाऊ शांति, विकास और समृद्धि की ओर साथ-साथ'। बिश्केक में होने वाले एससीओ लीडरशिप समिट के कार्यक्रमों में 31 अगस्त को वेलकम डिनर और अगले दिन समिट की मुख्य बैठक शामिल है, जिसमें पीएम मोदी अपना भाषण देंगे। बिश्केक में समिट के दौरान पीएम मोदी की सदस्य देशों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित करने की योजना है।

चीन की शीर्ष राजनीतिक सलाहकार निकाय से की गई बर्खास्तगी गलवान विवाद में भारत से उलझने वाले चीनी जनरल जोंगछी की शी जिनपिंग ने कर दी छुट्टी

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

डोकलाम और गलवान घाटी जैसे हिंसक सैन्य विवाद में भारत को सबक सिखाने के इरादे से चीन के एक प्रमुख जनरल झाओ जोंगछी को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उनके पद और चीन की शीर्ष राजनीतिक सलाहकार संस्था (सीपीपीसीसी) से बर्खास्त कर दिया है। जनरल जोंगछी 2017 में डोकलाम और 2020 में गलवान विवाद के दौरान चीन की पश्चिमी थिएटर कमांड का नेतृत्व कर रहे थे। चीनी राष्ट्रपति का यह निर्णय उनके द्वारा सेना में बड़े पैमाने पर किए जा रहे सुधारों से जुड़ा हुआ है। जिसमें अबतक उन्होंने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के करीब 100 से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को उनके पद से हटा दिया गया है या वो लापता हैं।

भारत ने यूं निकाली थी चीन की अकड़



जनरल झाओ जोंगछी

में वह पठार के दक्षिणी क्षेत्र की तरफ विस्तार की सोच के साथ एक सड़क बनाने जा रहा था। जिसका भारत ने सख्त अंदाज में विरोध किया। 73 दिन बाद 28 अगस्त 2017 को भारत, चीन ने अपनी सेनाएं डोकलाम से वापस बुला ली।

एजेंसी ►►वजोदरा

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के प्रति भारत के सैन्य दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव दिखाया। इस कार्रवाई में सिर्फ सीमा के पास मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना

पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे का पाकिस्तान को दो टूक

‘ऑपरेशन सिंदूर’ भारत के सैन्य तौर-तरीकों में एक बहुत महत्वपूर्ण बदलाव था

आतंक के मददगार नहीं बचेंगे, हर गतिविधि पर भारत की पैनी नजर

आतंकियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं

पूर्व सेना प्रमुख ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें आतंकवादियों के खिलाफ उनके इलाके में जाकर कार्रवाई करने की बात कही गई थी। नरवणे के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर भारत के सैन्य तौर-तरीकों में एक बहुत महत्वपूर्ण बदलाव था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को समर्थन देने वालों के लिए अब कोई सुरक्षित जगह नहीं होने का संदेश दिया गया।

भारत में मुकाबले की पाक से कहीं अधिक क्षमता

जनरल नरवणे ने कहा कि पाकिस्तान की भारत से मुकाबला करने की क्षमता नहीं है। पाकिस्तान के सिर क्रीक क्षेत्र में बड़ी गतिविधियां और कथित ऑपरेशन अबाबाल को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल हर गतिविधि पर नजर रखते हैं और जरूरत पड़ने पर उचित समय पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। लोग घबराए नहीं।

चीन से जमीन पर सीमा स्पष्ट नहीं

भारत-चीन संबंधों पर जनरल नरवणे ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोगल और चीनी विदेश मंत्री वॉंग यी के बीच हुई बातचीत का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के व्यापक संदर्भ में होने वाली विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता का 25वां दौर था। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा का वास्तविक निर्धारण अब तक नक्शे और जमीन दोनों स्तरों पर स्पष्ट रूप से नहीं हुआ है। इसी कारण दोनों देशों के बीच समय-समय पर विवाद की स्थिति बनती है।



लाइफStyle

अभिनेत्री तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' रिलीज होने से पहले विवादों में घिर गई है। हाल ही में, मुंबई के लेखक राघव देसाई ने दावा किया कि उन्होंने 2024 में फिल्म निर्माताओं को एक पटकथा सुनाई थी। उन्होंने कथित तौर पर आरोप लगाया कि फिल्म की निर्माता टीम ने उनके विचार का इस्तेमाल किया है।

कार्तिक घुटने की सर्जरी के बाद एक्शन में लौटेंगे

मुंबई। कार्तिक आर्यन जल्द ही अपनी अगली बहुचर्चित फिल्म 'कैप्टन इंडिया' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। फिल्म की शूटिंग 1 सितंबर से लंदन में शुरू होने जा रही है। घुटने की सर्जरी से पूरी तरह उबरने के बाद कार्तिक 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'चक दे! इंडिया' जैसी शानदार फिल्म बना चुके मशहूर निर्देशक शमित अमीन कर रहे हैं। 'कैप्टन इंडिया' की कहानी एक युद्धग्रस्त देश में भारत द्वारा चलाए गए असल जिंदगी के साहसिक रेस्क्यू मिशन से प्रेरित है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम इस वक्त काफी तेजी से चल रहा है।

तापसी

फिल्म 'गांधारी' पर नकल का आरोप

एजेंसी ►► मुंबई

उधर, राघव के आरोपों को नकारते हुए 'गांधारी' की लेखक-निर्माता कनिका ढिल्लों ने अपनी चुप्पी तोड़ी और स्पष्ट किया कि फिल्म एक मौलिक परियोजना है। कनिका के प्रोडक्शन हाउस 'कथा पिक्चर्स' ने अपने बयान में कहा, 'सोशल मीडिया और कुछ प्रकाशनों में प्रसारित हो रहे आरोपों की ओर हमारा ध्यान गया कि हमारी आगामी फिल्म 'गांधारी' किसी अन्य व्यक्ति की अवधारणा की नकल करती है और उस व्यक्ति के शोषक का उपयोग करती है। ये आरोप झूठे हैं और हम इन्हें स्पष्ट रूप से नकारते हैं।' बयान में कहा गया कि 'गांधारी' एक मौलिक रचना है, जिसे कनिका ढिल्लों ने लिखा और निर्मित किया है। कथा पिक्चर्स ने बयान में आगे कहा, हम मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और जनता से अनुरोध करते हैं कि वे इन आरोपों को उनके वास्तविक स्वरूप में ही मानें, यानी अपुष्ट और झूठे, और इन्हें पुख्ता तथ्य मानकर प्रकाशित, प्रसारित या दोहराने से बचें। बता दें कि देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित, फिल्म 'गांधारी' में तापसी मुख्य किरदार में हैं। बदले की भावना से प्रेरित एक मां की कहानी पर आधारित यह फिल्म सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है।



हॉलीवुड मसाला

एवेंजर्स एंडगेम का ट्रेलर जारी



लॉस एंजिल्स। मार्वल की फिल्म 'एवेंजर्स एंडगेम' ने 2019 में रिलीज होकर तहलका मचा दिया था। निर्माताओं ने पुरानी यादों को ताजा करने के लिए फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में उतारने का फैसला किया है। दिलचस्प बात यह है कि इस बार फिल्म में कुछ नया फुटेंज भी जोड़ा है और इसे 'एवेंजर्स एंडगेम एनकोर' के रूप में सिनेमाघरों में री-रिलीज किया जाएगा। यूट्यूब पर इसका आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिससे फैंस का उत्साह देखने लायक है।



'कंट्री म्यूजिक' की गायिका व अभिनेत्री डॉली का निधन

लॉस एंजिल्स। कंट्री म्यूजिक की महारानी, गीतकार और अभिनेत्री डॉली पार्टन का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। टेनेसी के एक छोटे से लकड़ी के मकान से संगीत की बुलंदियों तक पहुंचने वाली डॉली ने कैसर जैसी गंभीर बीमारी से बहादुरी से लड़ते हुए अंतिम सांस ली। अपने तमाम कालजयी गानों से उन्होंने करोड़ों दिलों पर राज किया। उनका निधन संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति और एक महान युग का अंत है। 'कंट्री म्यूजिक की महारानी' डॉली के निधन का दुःखद समाचार उनके भतीजे बायन सीवर ने दिया। अपने आकषक व्यक्तित्व, बड़े विंग और अनेक स्टड्डल के साथ-साथ अपने चुटीले स्वभाव के लिए जानी जाने वाली डॉली पार्टन संगीत जगत की सबसे पसंदीदा हस्तियों में से एक थीं। वो एक ऐसी विरली कलाकार थीं, जिनकी लोकप्रियता पीढ़ी, भूगोल और राजनीति की सीमाओं से परे थी।



अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं

मुंबई। कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'टाँक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रीन-अप्स' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनके साथ यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। हालांकि, कियारा इससे पहले भी कई शानदार फिल्मों और वेब सीरीज में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कियारा के बेहतरीन प्रदर्शन वाली फिल्मों के बारे में। साल 2018 में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'लस्ट स्टोरीज' में कियारा ने जबरदस्त अभिनय किया था। उन्होंने एक ऐसे संवेदनशील विषय को बहुत सहजता, हास्य और भावनात्मक ईमानदारी के साथ पेश किया था, जिसके लिए उन्हें खूब तारीफ मिली।



ऋतिक के बेटे का संगीत में डेब्यू

मुंबई। ऋतिक रोशन और उनकी पूर्व पत्नी सुजैन खान के बेटे, रेहान रोशन ने संगीत जगत में अपना पदार्पण किया है। उन्होंने अपने पहले सिंगल म्यूजिक वीडियो 'दिस हेवनली प्लेस' के साथ एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में शुरुआत की, जिसकी झलक अभिनेता ने फैंस को दिखाई है। इस गाने में रेहान ने गायक-गीतकार और गिटारवादक की भूमिका निभाई है। इसका निर्माण सूडान ने किया है, जबकि अंकुर तिवारी ने आर्टिस्ट्स एंड रेपरटॉयर के रूप में काम किया है। अभिनेता ने गाने का वीडियो जारी करते हुए लिखा, 'रे, तुम जन्म से ही एक खास समझ लेकर आए हो: मुझे इस पर पूरा भरोसा है। यही मुझे निडर बनाता है। रेहान को आले और सफेद बैकग्राउंड में एक्वास्टिक सेटअप पर गाते और गिटार बजाते देखा जा सकता है।

टीवी मसाला



केबीसी में जीएसटी ऑफिसर ने दिया गलत जवाब, पांच लाख पर गिरे

मुंबई। अमिताभ बच्चन के शो 'कोन बनेगा करोड़पति 18' के 27 अगस्त के एपिसोड में राजस्थान के उदयपुर से आए डॉ. अनुज भटनागर हॉट सीट पर बैठे। जीएसटी डिपार्टमेंट में डिप्टी कमिश्नर के तौर पर काम करने वाले अनुज अपनी पत्नी और बेटे के साथ शो में आए थे। उन्होंने 7.5 लाख रुपये तक का गेम खेला, लेकिन भारत, जॉर्डन और जांबिया से जुड़े एक सवाल पर उनका गेम खत्म हो गया।

जीएसटी डिप्टी कमिश्नर से हो गई गलती

इसके बाद अनुज ने 'सुपर सैंडूक' राउंड खेला और 10 में से नौ सवालों के सही जवाब देकर 90,000 रुपये जीते। 7.5 लाख रुपये का 11वां सवाल अनुज के लिए मुश्किल साबित हुआ और इसे पार करने के लिए उन्होंने 'महापिलप' लाइफलाइन का इस्तेमाल किया। फिर वह गेम के 12वें सवाल पर पहुंचे, जो 12.5 लाख रुपये का था। भारत, जॉर्डन और जांबिया के झंडों से जुड़ा सवाल हॉट सीट पर उनके हाफर का अंत बना। डॉ. अनुज भटनागर 12.5 लाख रुपये का सवाल गलत कर बैठे।

सवाल यह था

अनुज को भारत, जॉर्डन और जांबिया के झंडे दिखाए गए और पूछा गया: तस्वीर में दिखाए गए झंडों वाले देशों के बारे में इनमें से कौन-सी बात सही है? **विकल्प ये थे:** ए- इनके अंग्रेजी नाम नदियों के नाम पर हैं। बी- इनका आजादी का दिन एक ही है। सी- इनकी राजधानियों के नाम न्यू से शुरू होते हैं। डी- ये उत्तरी गोलार्ध में हैं।

50:50 लाइफलाइन का इस्तेमाल : सही जवाब को लेकर पक्का न होने पर, अनुज ने अपनी आखिरी लाइफलाइन, 50:50 का इस्तेमाल किया। इस लाइफलाइन ने दो गलत विकल्पों राजधानियों के नाम न्यू से शुरू होते हैं और उत्तरी गोलार्ध में हैं को हटा दिया, जिससे उनके पास ये विकल्प बचे: ए- अंग्रेजी नाम नदियों से आए हैं। बी- आजादी का दिन एक ही है। अनुज ने आजादी का दिन एक ही है चुना, लेकिन यह गलत जवाब था। सही जवाब था अंग्रेजी नाम नदियों से आए हैं। गलत जवाब देने के बाद अनुज पैसे हार गए इसलिए उनकी जीती हुई रकम घटकर वापस 5 लाख रुपये हो गई और आखिर से उन्हें यही रकम मिली।

'केबीसी 18' के बारे में : 'कोन बनेगा करोड़पति 18' की शुरुआत सीमित लाइफलाइन ऑप्शन्स के साथ होती है और जैसे-जैसे कंटेस्टेंट नेम में आगे बढ़ते हैं, उन्हें और लाइफलाइन मिलती जाती हैं। कंटेस्टेंट 'सुपर सैंडूक' राउंड के जरिए 50:50 लाइफलाइन भी हासिल कर सकते हैं, जबकि 'महापिलप' एक और लाइफलाइन है जिसे नेम में बाद में शामिल किया गया है। मौजूदा सीजन में कई कंटेस्टेंट ने शानदार जीत हासिल की है। इनमें से दो कंटेस्टेंट 1 करोड़ रुपये के सवाल तक तो पहुंचे, लेकिन उन्होंने गेम छोड़ने और 50 लाख रुपये लेकर घर जाने का फैसला किया।

सलमान खान ही नहीं, हॉलीवुड में छाए बॉलीवुड के ये सितारे

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने 'मैरीगोल्ड' समेत कई अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम किया है। अब वह बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म '7 डेव्स' में नजर आ रहे हैं, जो 21 अगस्त को रिलीज हो चुकी है। हालांकि, सलमान

प्रियंका और इरफान

प्रियंका चोपड़ा का नाम इस सूची में पहले स्थान पर है। वो फिल्म 'बेवॉच' और 'क्वैटिको' जैसी सीरीज के जरिए वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुकी हैं। वहीं शादी के बाद प्रियंका विदेश में रहती हैं और हॉलीवुड फिल्मों में ज्यादा काम करती हैं। इरफान खान ने 'रलमंडन मिलियनेयर', 'लाइफ ऑफ पाई' और 'जुरासिक वर्ल्ड' जैसी कई बड़ी हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। हॉलीवुड में उनकी पहचान एक बेहतरीन वैश्विक अभिनेता के रूप में थी।

दीपिका और ऐश्वर्या राय

इस सूची में दीपिका पादुकोण का नाम भी शामिल है। वो साल 2017 में आइ फिल्म ट्रिपल एक्स- रिटर्न ऑफ जेडर

अकेले ऐसे बॉलीवुड अभिनेता नहीं हैं, जिन्होंने विदेशी फिल्मों में अभिनय किया है। हिंदी सिनेमा के कई सितारे अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में आइए जानते हैं, इस खास सूची में कौन-कौन शामिल है।

केज में विलेन का किरदार निभाया था। उनके अभिनय को लोगों ने खूब पसंद किया था। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। उनकी प्रमुख हॉलीवुड फिल्मों में 'बाइड एंड प्रेजुडिस' (2004), 'प्रोवोक्ड' (2006), 'द लास्ट लीजन' (2007) और 'द पिक पैथर 2' (2009) जैसी फिल्में शामिल हैं।

नसीरुद्दीन शाह

प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी काम किया है। उनकी सबसे चर्चित फिल्मों की बात करें, तो वो फिल्म 'द मॉनसून वेंडिंग', 'द लीग ऑफ एक्स्ट्राऑर्डिनरी जेंटलमैन', 'दा गेट न्यू वंडरफुल' में नजर आ चुके हैं।



मुंबई। नेपाल इन दिनों

गोधण बाढ से जूझ रहा है। इस प्राकृतिक आपदा में सैकड़ों लोगों की मौत की खबर है, जबकि 1,000 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। बॉलीवुड में भी हर कोई नेपाल में गलत हालात सामान्य होने की प्रार्थना कर रहा है। ऐसे में आपको बता दें कि नेपाल के भी कई कलाकार अपनी प्रतिभा से बॉलीवुड में खास पहचान बना चुके हैं। आइए जानते हैं उन नेपाली कलाकारों के बारे में।

अदित नारायण और आदित्य नारायण

नेपाल में ही हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1970 में रेंडियो नेपाल में मेशली लोक गायक के तौर पर की थी। फिर वहां 8 साल तक काम करने के बाद उन्होंने बॉलीवुड में किस्मत आजमाई और सुपरहिट गायक साबित हुए। उदित के बेटे आदित्य नारायण का नाम भी इस सूची में शामिल है। वैसे तो उनका जन्म भारत में हुआ है, लेकिन उनका परिवार मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है।

माला सिन्हा और मनीषा कोईराला : माला सिन्हा का जन्म नेपाली-क्रिश्चियन परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बंगाली फिल्मों से की थी। इसके बाद उन्होंने नेपाली फिल्मों में काम किया और फिर बॉलीवुड में भी अपना नाम बनाया। मनीषा कोईराला नेपाल के प्रतिष्ठित घराने से ताल्लुक रखती हैं।



उनका जन्म नेपाल में ही हुआ था। हालांकि, अपना करियर बनाने के लिए वो भारत आ गई और यहां पर उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। **सुनील थापा :** सुनील थापा नेपाली सिनेमा के मशहूर अभिनेता थे। उन्होंने बॉलीवुड के साथ-साथ नेपाली सिनेमा में अपने बेहतरीन अभिनय से लोगों के दिलों में एक खास पहचान बनाई थी। हालांकि, उनका निधन साल 2026 के शुरुआत में हो गया था।

रक्षाबंधन पर अपने फैंस को बधाई देते आए नजर

एक-दूसरे पर जान छिड़कते हैं बॉलीवुड के ये भाई-बहन, कैरियर अलग-अलग



सलमान-अलविरा खान अगिनहोत्री : सलमान खान एक प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता और फिल्म निर्माता हैं, जबकि उनकी बहन अलविरा खान अभिनेत्री एक फैशन और कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। उनका 'अहागजाई' नाम का एक मल्टीस्टोर भी है। इसके साथ ही वो फिल्म निर्माता भी हैं।

अर्जुन कपूर-अंशुला कपूर और संजय दत्त-प्रिया दत्त

अर्जुन कपूर एक प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता हैं, जबकि अंशुला कपूर एक उद्यमी हैं और उन्होंने 'फैनकाईड' नाम से एक स्टार्टअप शुरू किया है। इसके साथ ही वो सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर भी हैं। संजय दत्त एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं और प्रिया दत्त भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नेता हैं और महाराष्ट्र के मुंबई से 2 बार लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। इसके साथ ही वो सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं।

अक्षय से लेकर कंगना तक, इन सितारों ने धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

मुंबई। पूरे देश में इस वक्त रक्षाबंधन की धूम मची हुई है। इस अवसर पर बॉलीवुड सितारे भी अपने-अपने भाई और बहनों के साथ इस त्योहार को मना रहे हैं। अक्षय कुमार ने अपनी बहन अलका भाटिया के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा की और फैंस को रक्षाबंधन की बधाई दी। उन्होंने पोस्ट के साथ लिखा, 'रिश्ता वो, जिसमें नोकझोंक भी है, प्यार भी है और हर मुश्किल में साथ भी। हर भाई-बहन को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं।'



कंगना ने अपने भाई को बांधी राखी : अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने भाई को राखी बांधते हुए तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'मेरे प्यारे भाई, मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि ये प्रेम का बंधन जो मैंने तुम्हारे हाथ पर बांधा है ये हमेशा तुम्हारी रक्षा करे, तुम हमारे माता-पिता की सेवा करो, छोटी-सी बुनियाद से लेकर जीवन में हमें जो भी मिला, वहां तक... मेरी बहनें हमेशा मेरे साथ रहने वाले घर का एक हिस्सा रही हैं। रक्षाबंधन की शुभकामनाएं। तुम्हारा भाई।' अनुपम खेर भी रक्षाबंधन पर अपने फैंस को बधाई देते नजर आए। उन्होंने त्योहार से जुड़ी एक तस्वीर साझा की और दिल छू लेने वाली पोस्ट लिखी।

कुल की गरिमा बढ़ाओ। रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं। **सुनील शेट्टी और अनुपम खेर ने दो त्योहार की बधाई :** सुनील शेट्टी ने अपने परिवार को पुरानी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'कुछ रिश्ते कभी नहीं बदलते। सिर्फ तस्वीरें बदलती हैं। हमारी इस छोटी-सी बुनियाद से लेकर जीवन में हमें जो भी मिला, वहां तक... मेरी बहनें हमेशा मेरे साथ रहने वाले घर का एक हिस्सा रही हैं। रक्षाबंधन की शुभकामनाएं। तुम्हारा भाई।' अनुपम खेर भी रक्षाबंधन पर अपने फैंस को बधाई देते नजर आए। उन्होंने त्योहार से जुड़ी एक तस्वीर साझा की और दिल छू लेने वाली पोस्ट लिखी।

यूएस ओपन

सबालेंका के फॉर्म पर सवाल
खिताबी हैट्रिक पर नजर



एजेसी ►► न्यूयॉर्क

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका हाल की खराब फॉर्म के बावजूद रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सबालेंका पिछले कुछ टूर्नामेंटों में चौथे दौर से आगे भी नहीं बढ़ पाई हैं, जिसे देखते हुए वह सेरेना विलियम्स (2012-14) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए शायद ही

तैयार दिखती हैं। लेकिन सबालेंका चिंतित नहीं लग रही हैं। वह तो विद्रोही लग रही हैं। जो लोग यह जानना चाहते थे कि उनके खेल में क्या खराबी है, उनके जवाब में उन्होंने कहा, 'शायद लोगों में ही कुछ खराबी है।'

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यहां 2024 में फाइनल में जेसिका पेगुला को हराकर पहली बार खिताब जीता था। पिछले साल उन्होंने अर्मांडा अलिसिमोवा को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था।

सबालेंका ने की थी साल की अच्छी शुरुआत

सबालेंका ने साल की अच्छी शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलेना रायबाकिना से हारने के बाद उन्होंने इंडियन वेल्स और मियामी में लगातार दो हार्ड कोर्ट खिताब जीते। विंबलडन में चौथे दौर में नाओमी ओसाका से हारने के बावजूद माना जा रहा था कि वह जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौट आएंगी, क्योंकि हार्ड कोर्ट उनकी पसंदीदा सतह रही है। लेकिन सबालेंका टोरंटो में चौथे दौर में एकतेरिना एलेक्जेंड्रोवा से हार गई और सिनसिनाटी में सारा बेजलेक ने उन्हें दोनों सेटों में बदत काम फायदा नहीं उठाने दिया।

मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया : एरिना

सबालेंका ने कहा, 'वह दौर मेरे लिए अच्छा नहीं था। मैं अपना बचाव नहीं करना चाहती, लेकिन जाहिर है कि मैं उस दौर के बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं कई चीजों से जुड़ा रही थी। उन्होंने कहा, 'मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। ये कटि सबसे मुझे और भी ज्यादा मजबूत बनाएंगे और मैं और कड़ी मेहनत करूंगा। वापसी करना बस समय की बात है।'

अल्काराज की 4 महीने बाद वापसी, पुराने फॉर्म में लौटने की उम्मीद

एजेसी ►► नई दिल्ली

अपनी दाहिनी कलाई में लगी चोट के कारण चार महीने से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले कार्लोस अल्काराज को उम्मीद है कि वह अपनी पुरानी फॉर्म में लौट कर रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज चोटिल होने के कारण फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे लेकिन उन्हें लगता है

कि वह वर्ष का अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'आप कार्लिंटोस को उसी तरह खेलते हुए देखेंगे जैसे वह हमेशा खेलता आया है।'

मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत : अल्काराज

अल्काराज ने कहा, 'मुझे प्रतिस्पर्धा की जरूरत है। मेरा और मेरी टीम का मानना है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं। वापसी का फैसला करना आसान नहीं था। मैंने इसके लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया है।'



दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल : आज मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र का सामना पूर्वी क्षेत्र से

फाइनल की जंग शुरू, भिड़ेंगी चार टीमों, दो का टूटेगा सपना

बेंगलुरु। मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र रविवार से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आत्मविश्वास से भरी पूर्वी क्षेत्र का सामना करेगा जबकि उत्तर क्षेत्र और पिछले साल की उपविजेता दक्षिण क्षेत्र के बीच भी रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। उत्तर और पूर्व क्षेत्र की टीम क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल करके आगे बढ़ी हैं जबकि मध्य और दक्षिणी क्षेत्र को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिला था। पूर्वी क्षेत्र ने क्वार्टर फाइनल में उत्तर पूर्वी क्षेत्र को करारी शिकस्त दी थी जबकि उत्तर क्षेत्र ने पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक की शानदार गेंदबाजी की बदौलत रोमांचक जीत हासिल की थी।



पाटीदार और तिलक को करनी होगी शानदार शुरुआत

लगातार दूसरे साल रजत पाटीदार को कप्तानी में खेल रहे मध्य क्षेत्र और तिलक वर्मा की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र को टूर्नामेंट में एक भी मैच न खेलने के बावजूद शानदार शुरुआत करनी होगी। मध्य क्षेत्र में पिछले साल ट्रॉफी जीतने वाली टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है। पाटीदार आईपीएल और एमपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट में उतर रहे हैं, जबकि उप-कप्तान रिकू सिंह के रूप में उसके पास मध्य क्रम में एक और मजबूत खिलाड़ी है।

ईशान, सूर्यवंशी और ईश्वरन से बड़ी पारी की उम्मीद

क्वार्टरफाइनल में पूर्व क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी थी। इस मैच में बंगाल के सुदीप घरामी और शाहबाज अहमद ने शतक जड़े थे। कप्तान ईशान किशन, युवा सनसनी सूर्यवंशी और अनुभवी अमिन्ग्यु ईश्वरन भी इस मैच में बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे। शाहबाज ने चार विकेट लेकर गेंदबाजी में भी अहम योगदान दिया था। उनके अलावा अनुकूल राय ने दूसरी पारी में पांच विकेट लिए और अगिजीत सरकार ने मैच में छह विकेट हासिल किए।

नार्थ और साउथ जोन का पलड़ा बराबर

उत्तर क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र के बीच होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीम का पलड़ा लगभग समान नजर आता है। दक्षिण क्षेत्र के पास कप्तान तिलक वर्मा, रिकी मुंशी, नारायण जगदीसन और करुण नायर जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। दक्षिण क्षेत्र की गेंदबाजी की बात करें तो श्रेयस गोपाल और बाएं हाथ के स्पिनर तनाय त्यागराजन गेंदबाजी आक्रमण में विविधता लाते हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में उसका दारोमदार विद्युत कावेरप्पा पर रहेगा।

वेस्ट जोन में टीम चयन को लेकर सवाल

उत्तर क्षेत्र की टीम पश्चिम क्षेत्र को 52 रन से हराकर इस मुकाबले में उतरेगी। उसकी टीम के चयन को लेकर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि रणजी ट्रॉफी में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी सनत सांगवान पर यश दुल को प्राथमिकता दी गई है। दुल पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ संदर्भ करते हुए नजर आए तथा केवल भी रन और शुभ्य पर आउट हो गए, जबकि सांगवान बीच पर बैठे मैच देखते रहे। सांगवान को इस मैच में अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

गेंदबाजी आक्रमण में फेरबदल कर सकता नार्थ जोन

उत्तर क्षेत्र अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में भी फेरबदल कर सकता है, जिसमें सुनील कुमार की जगह भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को मौका दिया जा सकता है। गुरनूर ने श्रीलंका ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में भी उनका प्रदर्शन उत्साहजनक रहा था। बल्लेबाजी ने उत्तर क्षेत्र की तरफ से उप कप्तान आयुष बडोनी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने पिछले मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक बनाए थे।

अल्काराज मौजूदा चैंपियन

अल्काराज मौजूदा चैंपियन हैं और लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। एक साल पहले उन्होंने यानिक सिनर को हराकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी। इस बार सिनर नहीं खेल रहे हैं। दाहिने घुटने में चोट के कारण उन्होंने नाम वापस ले लिया है। सिनर की अनुपस्थिति में अलेक्जेंडर ज्वेरेव शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। लेकिन सबकी निगाहें अल्काराज पर टिकी हैं, जिन्होंने इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर अपना सातवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अल्काराज का पहला मुकाबला रोमन सफिउलिन से होगा।

मैं विकेट लेने वाला गेंदबाज हूं : सूर्यवंशी



एजेसी ►► नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी भले ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में अपनी टीम की एकमात्र पारी में बल्लेबाजी में कुछ खास योगदान नहीं दे पाए लेकिन उन्होंने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए दो अहम विकेट चटकाए, जिसकी मदद से पूर्वी क्षेत्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी। सूर्यवंशी ने कहा, 'अगर आप किसी बल्लेबाज से पूछेंगे तो उसे गेंदबाजी करना भी पसंद होता है और गेंदबाज को बल्लेबाजी करना पसंद होता है। दोनों को एक-दूसरे की भूमिका निभाना काफी पसंद है।' सूर्यवंशी ने कहा, 'विपक्षी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे और मुझे दो-तीन ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया। इशान भैया को लगा कि मुझे गेंदबाजी देना थोड़ा जोखिम भरा है, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि मैं विकेट लेने वाला गेंदबाज हूं।' सूर्यवंशी ने किशन लिंगदोह (25) और इस्लीवती लेमटूर (04) को आउट किया।

वैभव ने कहा कि जरूरत के समय विकेट लेने से ज्यादा खुशी एक बल्लेबाज के लिए और कुछ नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में सिर्फ यही था कि अगर मैं यहां पांच विकेट भी ले लूं, तो मुझे केवल तीन ओवर ही गेंदबाजी करनी है। इसलिए मैंने अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने, एक ही जगह पर गेंद डालने और अपना स्पेल पूरा करने की कोशिश की।' वैभव ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि बल्लेबाजी में मेरे लिए चीजें अच्छी नहीं रहीं। ऐसे में गेंदबाजी से योगदान देना वास्तव में अच्छा लगा। जब कोई बल्लेबाज विकेट लेता है तो उससे ज्यादा खुशी की बात और कुछ नहीं होती।'

खबर संक्षेप



बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के चैंपियन बने सैथिलकुमार बुडापेस्ट। भारत के वेलावन सैथिलकुमार ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में बालाज फरकास को हराकर हंगरी की राजधानी में खेले गए बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के रूप में अपना पहला पीएसए कॉपर-लेवल का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने 43,500 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट के फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी फ्रांस को 11-4, 11-2, 11-3 से हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। यह दोनों खिलाड़ी तीसरी बार आमने-सामने थे।

कट में जगह बनाने वाली इकलौती भारतीय प्रणवी



किल्डारे। युवा गोल्फर प्रणवी उर्स प्रतिष्ठित केपीएमजी विमेंस आयरिश ओपन के दूसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेल संयुक्त आठवें पायदान पर पहुंच गई। प्रणवी कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय है। वह तालिका में शीर्ष पर काबिज दक्षिण अफ्रीका की कैसांद्रा एलेक्जेंडर से 10 शॉट पीछे हैं। प्रणवी ने तीन बडों के मुकाबले तीन बोगी किए लेकिन 10वें होल में इंगल लगाने के कारण वह दो अंडर का कार्ड खेलने में सफल रही।

एशियन गेम्स: भारत की पदक की उम्मीद को झटका, नीरज बाहर

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने शनिवार को घोषणा की कि अभ्यास के दौरान उनके टखने के लिगामेंट में चोट लग गई है, जिसके कारण वह आगामी एशियाई खेलों में नहीं खेल पाएंगे। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लुसाने डायमंड लीग में सत्र का सर्वश्रेष्ठ श्रो करने के कुछ ही समय बाद उन्हें चोट लगी।

चोपड़ा ने कहा, 'कड़ी मेहनत के बाद मुझे लग रहा था कि मैं आखिरकार अच्छी लय हासिल कर रहा हूं, जिसकी मुझे तलाश थी और



लुसाने में मैंने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से कुछ समय बाद ही अभ्यास के दौरान मेरे टखने के लिगामेंट में चोट लग गई। अपने डॉक्टर और टीम से सलाह मशविरा करने के बाद हमने फैसला किया है

कि मैं इस सत्र में आगे नहीं खेल पाऊंगा। यह निराशाजनक है, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे लग रहा था कि मैं अपनी लय पाने के करीब था। लेकिन जैसा कि कहते हैं, उतार-चढ़ाव तो जीवन का हिस्सा होते हैं।'

ब्रिटिश मास्टर्स : शुभंकर ने किया कट में प्रवेश

बेलफ्राई। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा चुनौतीपूर्ण मौसम और लगातार बारिश के बीच हुस्कुवार्ना ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर में 69 और 71 का कार्ड खेल कर आसानी से कट में प्रवेश करने में सफल रहे। शुभंकर का कुल स्कोर चार अंडर है और वह संयुक्त 13वें स्थान पर है। शुभंकर ने दूसरे दौर में दो बोगी के मुकाबले पांच बडों लगाई। प्रतियोगिता में भाग ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू के लिए यह सप्ताह निराशाजनक रहा। उन्होंने 71 और 77 के कार्ड खेले और कट में प्रवेश करने से चूक गए।



आज से महिला टी20 एशिया कप, तीन बार जीता खिताब

भारत का रण शुरू, थाईलैंड के खिलाफ दबदबे की वापसी

एजेसी ►► दुबई

ऐसे समय में जबकि टीम की फॉर्म और निरंतरता पर सवाल उठ रहे हैं तब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार को महिला टी20 एशिया कप ग्रुप ए के अपने पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत करना चाहेगी।

पिछले एक दशक में महिला टी20 एशिया कप में भारत सबसे दबदबा बनाने वाली टीम रही है। उसने 2016-17 से इस टूर्नामेंट के टी20 प्रारूप के पांच संस्करणों में तीन बार खिताब जीता है लेकिन हाल में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।



चोट के कारण जेमिमा बाहर

एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए मरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के बाहर होने के बाद भारत ने अपनी टीम में प्रतिका रावल को शामिल किया है, लेकिन टीम को मध्य क्रम में जेमिमा की कमी खलेगी। भारत के पास स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी है लेकिन तीसरे नंबर और उसके बाद के बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती लय को बनाए रखना और स्कोरबोर्ड को गति प्रदान करना होगा।

खराब फील्डिंग चिंता का विषय

पिछली बार जब भारत इस प्रारूप में खेला था तब खराब फील्डिंग बड़ी चिंता का विषय था। भारतीय खिलाड़ियों ने कई केच छोड़े, जो उसकी हार का प्रमुख कारण भी रहा। भारत को अगर एशिया कप और एशियाई खेलों में अपना दबदबा बरकरार रखना है तो उसे अपनी फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा।

प्रीमियर लीग : बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी की धमाकेदार जीत

एजेसी ►► म्यूनिख

बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी ने अपनी राष्ट्रीय फुटबाल लीग में बड़ी जीत हासिल करके अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। जर्मनी की बुंडेसलीगा में मौजूदा चैंपियन बायर्न म्यूनिख ने लीग में हमेशा की तरह दबदबा बनाए रखते हुए घरेलू मैदान पर स्टटगार्ट के खिलाफ 5-1 से जीत हासिल की। बायर्न म्यूनिख बुंडेसलीगा में पिछले 15 वर्षों से सत्र का अपना पहला मैच नहीं हारा है। इंग्लैंड में प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी ने क्रिस्टल पैलेस को 4-1 से हराया।



हालैंड और चेर्की ने दागे दो-दो गोल

मैच में एर्लिंग हालैंड और रायन चेर्की ने दो-दो गोल किए। फ्रांस की लीग। के मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को लिली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलने के लिए स्टंपेज टाइम में दो गोल की जरूरत पड़ी। फ्रांसीसी और यूरोपीय चैंपियन पीएसजी ने इससे पहले पिछले सप्ताह रेनेस के खिलाफ भी पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-2 से ड्रॉ खेल था। इटली की लीग सीरी ए में एसी मिलान ने वेनेजिया को 2-0 से पराजित किया। उच्च स्कोर में ला लीगा में अलावेंस और रेंसिंग सैंटडर ने क्रमशः विलारियल और एल्वी पर एक-एक गोल से जीत हासिल की।

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी भारत का पहला मुकाबला कोरिया से



एजेसी ►► नई दिल्ली

मिडफील्डर खेदेम शिलेमा चानू की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम 4 से 13 सितंबर तक चीन के मोकी में होने वाले एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप में दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। नवनियुक्त

कोच टिम व्हाइट के नेतृत्व में 18 सदस्यीय टीम ने इसके लिए अच्छी तैयारी की है।

इसके तहत भारतीय टीम ने इस साल ब्रिटेन का दौरा भी किया था। भारत को इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के साथ एलीट पूल में रखा गया है।

सरदार पटेल के रूप में बखूबी नजर आए मनोज जोशी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

अगस्त 1947 के बाद का भारत, अंग्रेज भारत छोड़ रहे हैं, लेकिन जाते-जाते देश के सामने एक बेहद गंभीर चुनौती छोड़ जाते हैं 565 रियासतों का भविष्य। अगर ये रियासतें अलग-अलग रास्ते चुनतीं, तो नवजात भारत का नक्शा बिखर सकता था। मंच पर स्वतंत्रता का माहौल है।

देश आजाद हो चुका है, लेकिन खुशी के साथ एक बड़ा सवाल सामने आता है—क्या यह नया भारत एकजुट रह पाएगा... यहीं से कहानी सरदार वल्लभभाई पटेल के सामने मौजूद सबसे बड़ी चुनौती की ओर बढ़ती है और 'हिंदुस्तान, पाकिस्तान और... प्रिंसेस्तान' के रूप में नाटक का मूल विचार सामने आता है। रियासतों के विलीनीकरण का यह दृश्य नजर आया शनिवार शाम रवींद्र भवन सभागार में प्रसिद्ध अभिनेता मनोज जोशी अभिनीत नाटक 'सरदार- द आर्किटेक्ट ऑफ रियल इंडिया' में।

रवींद्र भवन में मनोज जोशी अभिनीत नाटक 'सरदार- द आर्किटेक्ट ऑफ रियल इंडिया' का यादगार मंचन



मनोज जोशी अभिनीत नाटक 'सरदार- द आर्किटेक्ट ऑफ रियल इंडिया' का रवींद्र भवन में मंचन।

लक्ष्य है स्पष्ट रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करना

करीब 160 मिनट के इस नाटक का शुरुआती विचार सिर्फ भारत-पाकिस्तान का विभाजन नहीं था, बल्कि सैकड़ों रियासतों के अलग-अलग अस्तित्व को बनाए रखना भी था, जिसमें मनोज जोशी सरदार पटेल के रूप में केंद्रीय भूमिका में

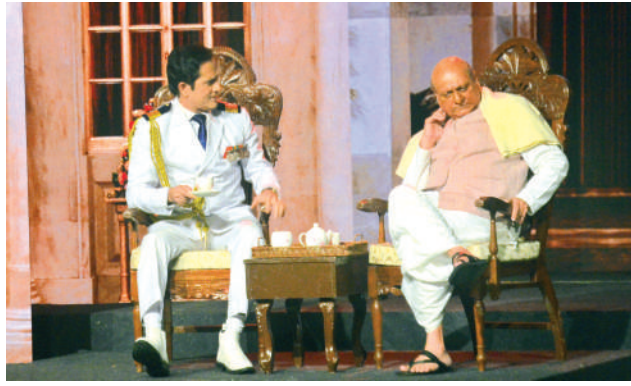
बखूबी नजर आए। पटेल भावुक भाषण देने वाले नेता के बजाय समस्या को रणनीति और व्यावहारिक राजनीति से हल करने वाले व्यक्ति के रूप में दिखाई देते हैं। उनके सामने लक्ष्य स्पष्ट है रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करना।

सरदार की कूटनीति से अंततः 560 रियासतें एकीकरण को तैयार

नाटक का बड़ा हिस्सा रियासतों के शासकों के साथ होने वाली बातचीत और टकराव पर आधारित है। कुछ शासक भारत के साथ आने को तैयार हैं, कुछ अपनी स्वतंत्र सत्ता बनाए रखना चाहते हैं और कुछ अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। यहीं से नाटक में राजनीतिक संवाद, सत्ता का अहंकार और पटेल की कूटनीति सामने आती है। अंततः सरदार पटेल अपनी राजनीतिक समझ, दृढ़ इच्छाशक्ति और संवाद-कौशल के जरिए 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण की दिशा में काम करते दिखाई देते हैं।



प्रस्तुति देते कलाकार।



रवींद्र भवन में सात दिवसीय रासलीला समारोह का शुभारंभ कारागार से गोकुल तक गूंजा 'कृष्णलीला' का आनंद



लोकपरंपराओं के माध्यम से जीवंत हो उठा नचन

मथुरा की कारागार में रात के अंधकार के बीच श्रीकृष्ण के अवतरण और इसके बाद वसुदेव द्वारा नवजात कृष्ण को गोकुल पहुंचाने की अद्भुत यात्रा का मंचन रासलीला समारोह में पहले दिन किया गया। इसमें श्रीकृष्ण जन्म से लेकर गोकुल गमन तक के प्रसंगों को संगीत, नृत्य, संवाद और बज की लोकपरंपराओं के माध्यम से जीवंत किया।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय रासलीला समारोह का शुभारंभ शनिवार को मुक्ताकाश मंच, रवींद्र भवन में हुआ। इस अवसर पर श्रीराम तिवारी, उप संचालक-संस्कृति संचालनालय डॉ. पूजा शुक्ला एवं जनजातीय संग्रहालय के संग्राध्यक्ष अशोक मिश्रा ने राधाकृष्ण की पावन आरती कर कार्यक्रम का मंगलारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लीला प्रेमियों की उपस्थिति रही। रासलीला की दिव्यता और भव्यता के साथ सुमधुर भजनो ने संपूर्ण वातावरण को अध्यात्म की धारा से सिंचित कर दिया। लीलाओं का निर्देशन माधव आचार्य, मथुरा ने किया।



कृष्ण भक्ति से शिव आराधना तक

लीला प्रदर्शन से पूर्व भजन गायन की प्रस्तुति हुई, जिसमें पहले दिन गायिका आशा वैष्णव एवं साथी, अहमदाबाद ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। उन्होंने अपनी प्रस्तुति का आरंभ 'मोहन आओ तो' से करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के प्रति भक्त की पुकार और अनुराग को स्वर दिया। 'मेरा मोला है मंडरी' और 'डमरू वाले बाबा तुमको आना होगा' की प्रस्तुति पर श्रोता भावविभोर हो उठे।

सुरों से दी महान गायक को श्रद्धांजलि

समन्वय भवन में आयोजित मुकेश नाइट में सदाबहार नगमों की गूंज



प्रस्तुति देते कलाकार।

मुकेश की आवाज के विभिन्न रंग हुए जीवंत

इन गीतों के जरिए कलाकारों ने मुकेश की आवाज के अलग-अलग रंगों को मंच पर जीवंत किया। उनकी दर्दमंदी गायकी से लेकर प्रेम, विरह और जिंदगी के दर्शन को समेटे गीतों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कई प्रस्तुतियों के दौरान दर्शक भी गीतों के साथ सुर मिलाते नजर आए।

जोत से जोत जलाते चलो कार्यक्रम में 'जोत से जोत जलाते चलो', 'दीवानों से ये मत पूछो', 'संसार है एक नदिया', 'हम तुमसे प्यार कितना', 'बड़े अरमानों से रखा', 'चांद आई भरे', 'आ लौट के आजा', 'कभी कभी मेरे दिल में', 'मैं पल दो पल का', 'कभी कभी होगी वो', 'चांदी की दीवार न तोड़ी', 'फूल खिलता रहे', 'मैं दूधता हूँ जिनको', 'दिल तड़प तड़प', 'ओ मेरे सनम' और 'जाने चले जाते हैं कहाँ' जैसे गीत प्रस्तुत किए गए।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

महान पार्श्वगायक मुकेश की याद में समन्वय भवन में आयोजित 'मुकेश नाइट 2026' में संगीतप्रेमियों को उनके सदाबहार गीतों की सुरमयी सौगात मिली। कार्यक्रम में कलाकारों ने मुकेश के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों के माध्यम से उनकी गायकी और संगीत विरासत को याद किया। एक के बाद एक मधुर नगमों ने माहौल को भावुक और संगीतमय बना दिया।



वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बटरफ्लाई रक्षा बंधन उत्सव

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

वन विहार में तितलियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बटरफ्लाई रक्षा बंधन उत्सव का आयोजन शनिवार सुबह किया गया।

यह आयोजन प्रकृति, जैवविविधता और तितलियों के संरक्षण के प्रति समाज में संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की दिशा में

एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई। रक्षाबंधन के पावन अवसर को प्रकृति संरक्षण से जोड़ते हुए कार्यक्रम में तितलियों के लिए प्रतीकात्मक रक्षा सूत्र बांधने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने की गतिविधियां आयोजित की गईं। इसका संदेश है कि तितलियां केवल प्रकृति की सुंदरता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र एवं परागण प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी भी हैं।



बटरफ्लाई रक्षा बंधन उत्सव का वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आयोजन।

वॉकिज्म और पब्लिक पॉलिसी पर एक दिवसीय कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

यंग थिंक्स फोरम द्वारा कल सोमवार को 'वॉकिज्म, एजुकेशन और पब्लिक पॉलिसी' पर सुशासन भवन, भद्रभद्रा रोड पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 9.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक आयोजित इस कार्यशाला में ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से चयनित लोग ही इसमें प्रतिभागिता कर सकेंगे। इस कार्यशाला की प्रशिक्षक इन्फिनिटी फाउंडेशन की विजया विश्वनाथन हैं। कार्यशाला में सरस्तेनबल डेवलपमेंट गोल्स, ईएसजी और डीईआई



विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए. बालकृष्ण का निधन

भोपाल। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए. बालकृष्ण का कल कन्याकुमारी में निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। उन्हें 2020 में पद्मविभूषण से अलंकृत पी. परमेश्वरन के स्थान पर अध्यक्ष मनोनीत किया गया था। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के भोपाल में 45 बंगले स्थित मध्य प्रदेश कार्यालय में 30 अगस्त को शाम 5 बजे श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई है।

यूके-अमेरिका और कनाडा से भी पहुंचे पूर्व छात्र...

45 साल बाद फिर मिले और वर्ष 1981 की यादें की साझा

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

कैम्पियन स्कूल से वर्ष 1981 में पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों के लिए शनिवार का दिन खास और भावुक रहा। करीब 45 साल बाद 1981 बैच के पूर्व छात्र उसी स्कूल परिसर में एक बार फिर साथ जुटे। एल्यूमनी रीयूनियन में देश के अलग-अलग शहरों के अलावा यूके, अमेरिका और कनाडा से भी पूर्व विद्यार्थी अपने पुराने दोस्तों और शिक्षकों से मिलने पहुंचे।

स्कूल परिसर में पुराने दोस्तों की मुलाकात होते ही पढ़ाई के दिनों की यादें ताजा हो गईं। लंबे समय बाद एक-दूसरे से मिले दोस्तों ने स्कूल के पुराने किस्से साझा किए और साथ बिताए पलों को याद किया। उम्र बढ़ने के बावजूद दोस्तों के बीच वही पुराना अपनापन और उत्साह नजर आया।



1981 बैच के पूर्व छात्र कैम्पियन स्कूल परिसर में काफी समय बाद एक साथ दिखाई दिए।

पुराने शिक्षकों से मिलकर हुए भावुक

रीयूनियन के दौरान पूर्व विद्यार्थियों ने अपने पुराने शिक्षकों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों को सम्मान स्वरूप उपहार भी भेंट किए। वर्षों

बाद अपने विद्यार्थियों को एक साथ देखकर शिक्षक भी भावुक नजर आए। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता पर खुशी जताई और उन्हें शुभकामनाएं दीं।